WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 279 | लखनऊ, सोमवार, 28 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

हमें फिटनेस का आदी होना चाहिए उर्वशी रौतेला

एपीएमसी से बाहर उपज बेचने पर किसानों को लाभः मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब, हरियाणा तथा देश के अन्य हिस्सों में कृषि संबंधी विधेयकों के विरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कृषि उपज विपणन समिति मंडी से बाहर अपनी फसल बेचने पर किसानों के लाभ हो रहा है और वे लाखों रूपये की आय अर्जित कर रहे हैं। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के इस कठिन समय में देश के कृषि क्षेत्र ने फिर दमख़म दिखाया है। देश का कृषि क्षेत्र, किसान, गाँव, आत्मनिर्भर भारत का आधार है।

ये मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी। बीते कुछ समय में इन क्षेत्रों ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। श्री मोदी ने हरियाणा में सोनीपत के किसान कंवर चौहान का उल्लेख किया और कहा कि उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियाँ बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। अगर वह मंडी से बाहर, अपने फल और सब्जियां बेचते थे, तो, कई बार उनके फल, सब्जी और गाड़ियां तक जब्त हो जाती थी। लेकिन, 2014 में फल और सब्जियों को एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, इसका, उन्हें और आस-पास के साथी किसानों को बहुत फायदा हुआ। चार साल पहले, उन्होंने, अपने गांव के साथी किसानों के साथ मिलकर एक किसान उत्पादक समूह की स्थापना की। आज, गांव के किसान स्वीट कोर्न और बेबी कोर्न की खेती करते हैं। उनके उत्पाद, आज, दिल्ली की आजादपुर मंडी, बड़ी दुकानों तथा होटलों में सीधे जा रहे हैं। आज, गाँव के किसान इनकी खेती से, ढ़ाई से तीन लाख प्रति एकड़ सालाना कमाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं, इसी गांव के 60 से अधिक किसान नेट हाउस और पॉली हाउस बनाकर टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, इसकी, अलग-अलग किस्मों का उत्पादन करके, हर साल प्रति एकड़ 10 से 12 लाख रूपये तक की कमाई कर रहें हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन किसानों के पास अपने फल-सब्जियों को, कहीं पर भी, किसी को भी, बेचने की ताकत है, और ये ताकत ही, उनकी, इस प्रगति का आधार है। अब यही ताकत, देश के दूसरे किसानों को भी मिली है। फल-सब्जियों के लिए ही नहीं, अपने खेत में, वो जो पैदा कर रहें हैं - धान, गेहूं, सरसों, गन्ना जो उगा रहे हैं, उसको अपनी इच्छा के अनुसार, जहां ज्यादा दाम मिले, वहीं पर, बेचने की, अब, उनको आज़ादी मिल गई है।

बापू के आदर्शों पर चलते तो 'आत्मनिर्भर भारत' की जरूरत नहीं होती

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को स्मरण करते हुये कहा कि यदि हम राष्ट्रपिता के आदर्शों पर चले होते तो आज 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की जरूरत नहीं होती। श्री मोदी ने इस मासिक रेडियो कार्यक्रम में कहा कि दो अक्टूबर हम सबके लिए पवित्र और प्रेरक दिवस होता है। यह दिन माँ भारती के दो सपूतों, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा पूज्य बापू के विचार और आदर्श आज पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक हैं। महात्मा गांधी का जो आर्थिक चिन्तन था, अगर उस भावना को पकड़ा गया होता, समझा गया होता, उस रास्ते पर चला गया होता, तो आज आत्मनिर्भर भारत अभियान की जरूरत ही नहीं पड़ती।प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी जी के आर्थिक चिंतन में भारत की नस-नस की समझ थी, भारत की खुशबू थी। पूज्य बापू का जीवन हमें याद दिलाता है कि हमारा हर कार्य ऐसा हो, जिससे ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति का भला हो। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का जीवन हमें विनम्रता और सादगी का संदेश देता है।

कृषि सुधार अधिनियमों को राष्ट्रपति की मंजूरी

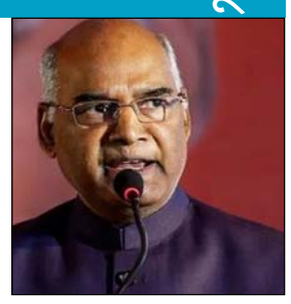

नयी दिल्ली, एजेंसी। किसानों और विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि सुधारों से संबंधित अधिनियमों को रविवार को मंजूरी दे दी। विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से यहां प्रकाशित गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही कृषि सुधारों से संबंधित अधिनियम - 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2020' तथा 'कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा करार अधिनियम 2020' देश में लागू हो गये। इन दोनों विधेयकों को लोकसभा में 17 सितम्बर को और राज्य सभा में 20 सितम्बर को पारित किया गया था। इसके बाद इन अधिनियमों को राष्ट्रपति की मोहर के लिए उनके पास भेजा गया था। इन अधिनियमों में किसानों को मंडी से बाहर कहीं भी मनमानी कीमत पर अपनी फसलों की बिक्री की आजादी दी गयी है। इसके साथ ही अनुबंध कृषि का प्रावधान किया गया है। इससे अधिक मूल्य मिलने वाली फसलों की खेती बढ़ेगी और अत्याधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा मिल सकेगा।

सरकार लद्दाख के लोगों के हितों की रक्षा करेगी: शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने कहा है कि वह लद्दाख के लोगों की हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वहां के लोगों के साथ सलाह मशिवरे के आधार पर ही निर्णय लिये जायेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज उनसे मिलने आये लेह और लद्दाख के एक प्रतिनिधिमंडल को यह आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में लद्दाख के प्रमुख नेता तथा पूर्व सांसद थिकसे रिनपोछे , थुप्स्तन छेवांग और जम्मू कश्मीर में मंत्री रह चुके छेरिंग दोरजे लकरूक शामिल थे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी तथा युवा मामले और खेल राज्य मंत्री किरेन रिजिजू भी इस मौके पर उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल को सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि भाषा, जनसांख्यिकी, जातीयता, भूमि और नौकरियों से संबंधित सभी मुद्दों पर सकारात्मक रूप से ध्यान दिया जाएगा। यह भी कहा गया कि छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा के लिए पीपुल्स मूवमेंट के तत्वावधान में लेह और करगिल जिलों के प्रतिनिधियों के एक बड़े लद्दाखी प्रतिनिधिमंडल और गृह मंत्रालय के बीच संवाद लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह चुनावों के समापन के 15 दिनों के बाद शुरू होगा। इस संबंध में कोई भी निर्णय लेह और करगिल के प्रतिनिधियों के परामर्श से ही लिया जायेगा। श्री शाह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार लेह और करगिल के एलएएचडीसी को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लोगों के हितों की रक्षा की जायेगी। साथ ही इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी विकल्प तलाशे जायेंगे।

कुलगाम में सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड फेंककर आतंकी फरार

श्रीनगर, एजेंसी। शनिवार देर शाम आतंकियों ने कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर ग्रेनेड हमला किया। हालांकि गनीमत रही की निशाना चूक गया और ग्रेनेड टीम की दूसरी साइड फट गया। इस हमले में किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। हमला करने के बाद आतंकी वहां से भागने में कामयाब रहे। बता दें कि सुरक्षाबलों की एक टीम शाम को इस इलाके में गश्त कर रही थी। यारीपोरा पुल के पास एक वाहन पर आए आतंकियों ने टीम पर ग्रेनेड से हमला किया। ग्रेनेड टीम से थोडी दूरी पर फटा। इसमें कोई नुकसान नहीं हुआ। इस हमले के बाद अतिरिक्त जवानों को मौके पर बुलाकर पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया लेकिन आतंकियों का कोई सुराग नहीं लगा है। वहीं, इससे पहले शुक्रवार सुबह आतंकियों ने मिनी सचिवालय के मुख्य गेट पर सीआरपीएफजवानों को निशाना बनाकर फायरिंग की थी।

एक दिन में 92 हजार से अधिक कोरोनामुक्त, सक्रिय मामले घटे

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या संक्रमण के नये मामलों से अधिक रहने का सिलसिला दूसरे दिन भी जारी रहा और पिछले 24 घंटों के दौरान जहां संक्रमण के 86 हजार से अधिक मामले दर्ज किये गये, वहीं 92 हजार से अधिक लोगों ने इस महामारी को मात दी, जिससे सक्रिय मामलों में साढ़े चार हजार से अधिक की गिरावट आयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 92043 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 49,41,628 हो गयी है। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामलों की संख्या में 4,567 की कमी आयी है और अब यह 9,56,402 रह गयी है। शनिवार को 93,420 लोग संक्रमणमुक्त हुए थे जिससे सक्रिय मामले 9,147 कम हो गये थे। पिछले 24 घंटों के दौरान 88,600 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 59,92,533 पर पहुंच गया। इसी अवधि में 1,124 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 94,503 हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 15.96 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.58 फीसदी रह गये हैं जबकि, रोगमुक्त होने वालों की दर 82.46 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 3,655 कम होकर 2,69,535 हो गये हैं जबकि 430 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 35,191 हो गयी है। इस दौरान 23,644 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 10,16,450 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 3,308 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 1,01,801 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8,503 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,55,719 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,889 कम होने से सक्रिय मामले 65,794 रह गये। राज्य में अब तक 5,663 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 5,97,294 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

भाजपा के संकटमोचक नेता जसवंत सिंह का निधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और देश की राजनीति में अहम भूमिका अदा करने वाले कद्दावर नेता जसवंत सिंह का रविवार को निधन हो गया। सिर में चोट लगने के बाद से वह पिछले छह वर्षों से कोमा में थे। राजस्थान में बाड़मेर जिले के जसोल गांव में जन्मे श्री जसवंत सिंह भाजपा के संस्थापकों में से एक थे। श्री सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में वित्त, विदेश और रक्षा मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व संभाला। पाकिस्तान के साथ संबंधों में सुधार के प्रयास अथवा परमाणु परीक्षण के बाद दुनिया के साथ बेहतर संबंधों को और मजबूती देने के संदर्भ में श्री सिंह की भूमिका अहम रही। 'संकटमोचक' की छवि के कारण श्री वाजपेयी उन्हें अपना 'हनुमान' कहा करते थे। बयासी वर्षीस श्री सिंह पिछले छह साल से कोमा में थे और आज सुबह उनका निधन हो गया। वर्ष 2014 में भाजपा ने श्री सिंह को राजस्थान के बाड़मेर से लोकसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया था। इससे नाराज श्री सिंह ने पार्टी छोड़कर निर्दलीय चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए । उसी वर्ष उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई और तब से वह कोमा में थे। श्री सिंह ने राजनीति में आने से पहले सेना में रहकर देश को अपनी सेवाएं दी थी। वह 1980 से 2014 तक सांसद रहे और इस दौरान उन्होंने संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व किया। उनके पुत्र मानवेंद्र सिंह भी राजनीति में हैं। श्री सिंह के निधन की खबर फैलने के राजस्थान में उनके गृह जिले बाड़मेर सहित जैसलमेर ,जोधपुर ,जालोर और पाली जिलों में शोक की लहर छा गई। उनके पैतृक गांव जसोल में सन्नाटा पसरा हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने श्री सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अनुभवी सैन्य अधिकारी, उत्कृष्ट सांसद, असाधारण नेता एवं बुद्धिजीवी श्री जसवंत सिंह का निधन दुखद है।

खुशहाली के लिए स्वास्थ्य और पौष्टिक आहार जरूरी: वेंकैया

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बीमारियों से निपटने के लिए पौष्टिक आहार और दैनिक व्यायाम पर बल देते हुए रविवार को कहा कि स्वस्थ रहने के लिए ऋतु चर्या का पालन आवश्यक है। श्री नायडू ने सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट पर फेसबुक पर लिखे एक लेख में कहा है कि भारत और विश्व के अन्य देश भी कोविड 19 की महामारी से जूझ रहे हैं। ऐसे में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र भाई मोदी का लोगों से प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा अपनी फिटनेस पर ध्यान देने का आह्वान प्रासंगिक और अनिवार्य हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें उनका दिया हुआ मंत्र फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज, अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में अपनाना चाहिए। सही फिटनेस पद्धति को जीवन में नियमित रूप से अपनाने से व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन में समग्र खुशहाली आ सकती है। उन्होंने लिखा है कि अन्य कई सबकों की तरह इस महामारी ने हमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व भी सिखाया है। संतुलित आहार के साथ-साथ फिटनेस, हमें रोगों से मुक्त रखने के लिए जरूरी है। समय की मांग है कि हम स्वस्थ्य और फिट रहें। यह न सिर्फ हमें बीमारी से बचायेगा बल्कि हमें अपने काम कर सकने के काबिल भी बनाए रखेगा। श्री नायडू ने कहा कि आरामतलब जीवनशैली ही देश में बढ़ती हुई असंक्रामक व्याधियों का मूल कारण है। किसी भी प्रकार का व्यायाम जैसे एक ही स्थान पर खड़े हो कर जॉग करना, भागना, तेज चलना, एरोबिक्स या शरीर को तानना- खींचना, इनमें से कोई भी फिट रहने के लिए हमारी जीवनचर्या का भाग हो सकता है।

गैंगरेप पीड़िता से मिलने आगरा मेडिकल कॉलेज पहुंचे रावण

हाथरस, एजेंसी। आजाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण आज अपने समर्थकों के साथ दलित युवती से गैंगरेप मामले में पीड़ित परिजनों से मिलने जा रहे थे। चंद्रशेखर रावण के आने की सूचना मिलते ही हाथरस पुलिस ने जनपद की सीमा को पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। बता दें कि हाथरस जनपद के कोतवाली चंदपा इलाके के बुलगढ़ी गांव मे बीते 14 सितम्बर को चार दरिंदों ने दलित युवती के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया साथ ही पीड़िता की जीभ भी काट दी थी। वहीं जब मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो पुलिस आरोपीयों को बचाने के लिएमामूली धारा लागा दी थी। लेकिन जब मामला शोशस मीडिया में वायरल हुआ तो पुलिस के हाथ-पाव फूल गये। आनन फानन में पुलिस ने गैंगरेप की धारा, एससी ध्एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश कर रही है। जब कि पीड़िता का इलाज आगरा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। वहीं अब आजाद समाज पार्टी के नेता अब पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हाथरस जा रहे है।

कर्नाटक विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव गिरा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा में मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ विपक्षी कांग्रेस की ओर से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चार घंटे तक चली चर्चा के बाद रविवार को ध्वनिमत से गिर गया। विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वरी हेगड़े कागेरी ने अविश्वास प्रस्ताव के ध्वनिमत से गिरने की घोषणा की और इसके बाद सदन स्थगित कर दिया। इससे पहले, प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए मुख्य विपक्षी नेता सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कोविड -19 महामारी के प्रसार को रोकने में बुरी तरह विफल रही है और मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्य विभिन्न भ्रष्टाचारों में लिप्त है। उन्होंने कहा कि श्री येदियुप्पा राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं और केन्द्र सरकार द्वारा उचित अनुदान जारी करने से इंकार करने पर वह मूकदर्शक बने हुए है। उन्होंने कहा कि वह केन्द्र से राज्य में बाढ़ राहत कार्यों की वित्तीय सहायता प्राप्त करने में भी विफल रहे है। विपक्ष के आरोपों के जवाब में मुख्यमंत्री ने सभी आरोपों से इंकार करते हुए पूरे मामले को कानूनी एजेंसियों और लोकायुक्त के समक्ष साबित करने की चुनौती दी। सदन में चली चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और श्री सिद्धारमैया के बीच तीखी नोंकझोंक भी देखी गई।

अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों का दर्द, आईएस हमलों से पलायन में तेजी

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में लगातार घटता रहा सिख और हिंदू समुदाय न्यूनतम स्तर तक सिमट चुका है। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के बढ़ते खतरे की वजह से इन अल्पसंख्यक समुदायों के लोग अपने जन्मस्थान को छोड़कर पलायन को मजबूर हैं। अफगानिस्तान में कभी इनकी संख्या करीब 250,000 थी जो अब घटकर 700 तक सिमट गई है। मुस्लिम बहुल देश में भेदभाव की वजह से इन समुदायों के लोगों की संख्या सालों से लगातार घटती रही है, लेकिन अब सरकार की ओर से अपर्याप्त सुरक्षा और इस्लामिक स्टेट के बढ़ते हमलों की वजह से हिंदू और सिख पूरी तरह निर्वासित हो सकते हैं। पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर एक व्यक्ति ने कहा, हम यहां और नहीं रह पाएंगे। हमदर्द सरनेम वाले व्यक्ति ने कहा कि मार्च में समुदाय के एक मंदिर पर इस्लामिक स्टेट के हमले में उनकी बहन, भतीजे और दामाद सहित सात रिश्तेदार मारे गए। हमले में 25 सिखों की मौत हो गई। हमदर्द ने कहा कि जन्मस्थान को छोड़ना मां को छोड़ने जितना ही मुश्किल है। इसके बावजूद पिछले महीने वह सिख और हिंदुओं के एक ऐसे समूह में शामिल हो गए जिन्होंने भारत जाने के लिए अफगानिस्तान छोड़ दिया। वहां से से ये किसी तीसरे देश में चले जाएंगे। यद्यपि सिख और हिंदू अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं, उनकी धार्मिक पुस्तकें और मंदिरें अलग हैं, लेकिन अफगानिस्तान में वे एक दूसरे से गुथे हुए हैं। वे यहां एक ही छत के नीचे एकत्रित होकर अपने-अपने तरीकों से सर्वशक्तिमान का ध्यान करते हैं। हमदर्द ने कहा, रूढीवादी मुस्लिम देश में समुदाय को बड़े पैमाने पर भेदभाव का सामना करना पड़ा है।

एनसीबी के सामने दीपिका का इमोशनल कार्डः पूछताछ के दौरान तीन बार रोईं दीपिका पादुकोण

नयी दिल्ली, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शनिवार को दीपिका पादुकोण से करीब 6 घंटे तक पूछताछ की। रिपोर्ट्स की मानें तो सवाल-जवाब के दौरान दीपिका एक बार नहीं, बल्कि तीन बार रो पड़ी थीं। बताया जा रहा है कि इस दौरान एनसीबी के अधिकारियों ने उन्हें इमोशनल कार्ड न खेलने की नसीहत दी थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका की आंखों में आंसू देख एनसीबी के अधिकारियों ने उनके हाथ जोड़ लिए। साथ ही कहा कि इमोशनल कार्ड खेलने की बजाय वे सबकुछ सच-सच बताती हैं, तो उनके लिए बेहतर होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसीबी की पूछताछ में दीपिका पादुकोण ने ड्रग्स चैट करने की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने ड्रग्स लेने की बात से इनकार किया। दीपिका ने एनसीबी को बताया कि उनका पूरा ग्रुप डू लेता है, जो कि सिगरेट है। इसमें कई नशीली चीजें होती हैं। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को दीपिका के एनसीबी दफ्तर पहुंचने के बाद अधिकारियों ने सबसे पहले उन्हें आरोपों के बारे में बताया। डेटा का बैकअप लेने के लिए उनके 2 मोबाइल फोन ले लिए गए। उनसे कहा गया कि इस मामले में किसी संदिग्ध या आरोपी से बात नहीं करेंगी। उसके बाद एक अंडरटेकिंग पर साइन करवाए गए। उनसे कहा गया कि 3 फेज में पूछताछ की जाएगी, इसके लिए 3-4 राउंड हो सकते हैं। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस से जुड़े ड्रग्स मामले की जांच कर रही एनसीबी के हाथ तीन साल पुरानी वॉट्सऐप ग्रुप चैट लगी थी। 28 अक्टूबर 2017 को हुई इस चैट में दीपिका, उनकी मैनेजर करिश्मा प्रकाश और सुशांत की टैलेंट मैनेजर जया साहा के बीच ड्रग्स को लेकर हुई बातचीत हुई थी। चैट में दीपिका ने हैश और वीड जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए करिश्मा से पूछा था।

चीन के खिलाफ लद्दाख में तैयारी

सेना ने एलएसी के पास टी-90 और टी-72 टैंक तैनात किए

नयी दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख में करीब 5 महीने से जारी तनाव के बीच सेना ने सर्दी के लंबे मौसम में भी मोर्चा संभालने की तैयारियां पुख्ता कर ली हैं। सेना ने पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास आर्मर्ड रेजीमेंट के टी-90 और टी-72 टैंकों की तैनाती की है। इसके अलावा बीएमपी-2 कॉम्बैट व्हीकल भी भेजे गए हैं। यह युद्धक टैंक 14 हजार 500 फीट की ऊंचाई पर चुमार-डेमचोक एरिया में तैनात किए गए हैं। इसे टैंकों के लिहाज से दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध क्षेत्र कहा जाता है। इन टैंकों की खासियत है कि ये माइनस 40 डिग्री टेम्परेचर में भी ऑपरेट किए जा सकते हैं। 14 कॉर्प्स के चीफ ऑफ स्टाफ ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि लद्दाख में सर्दियों का मौसम खराब होता है। जहां तक सर्दियों के मौसम की बात है तो हम पूरी तरह तैयार हैं। हाई कैलोरी और न्यूट्रीशन वाला राशन हमारे पास है। फ्यूल और ऑयल, सर्दियों के कपड़े, गर्मी पहुंचाने के उपकरण हमारे पास पर्याप्त मात्रा में हैं। मेजर जनरल अरविंद कपूर ने न्यूज एजेंसी को बताया कि सर्दियों में यहां रात के वक्त टेम्परेचर माइनस 35 डिग्री तक पहुंच जाता है। इसके अलावा तेज बर्फीली हवाएं भी चलती हैं। इस इलाके में टैंकों, बड़ी बंदूकों और युद्धक वाहनों का मेंटेनेंस बहुत बड़ी चुनौती रहता है। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स भारतीय सेना की अकेली या दुनिया की अकेली टुकड़ी है, जो ऐसे हालात में मोर्चा संभालने के लिए तैनात की गई है।

सुबह से ही गुलजार रहा बड़ा इमामबाड़ा

सेल्फी लेते नजर आए पर्यटक

लखनऊ, संवाददाता। बड़ा इमामबाड़ा में रविवार का दिन पूरी तरह से पर्यटकों के नाम रहा। छुट्टी के दिन सुबह से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी। इस दौरान टिकट घर में मौजूद कर्मचारी ने बताया कि सुबह से करीब 113 टिकट अब तक बन चुके हैं। वहीं, पिक्चर गैलरी और छोटा इमामबाड़ा में पिछले दिनों की तरह ही कम संख्या में लोग पहुंचे। सैर करने आए लोगों के लिए सुरक्षा के भी खास इंतजाम किए गए थे। उन्हें सैनिटाइजर और थर्मल स्कैनिंग के बाद प्रवेश दिया गया। सुल्तानपुर से दोस्तों के साथ आए आदर्श यादव ने बताया कि हम लोग सुबह परीक्षा देने आए थे। उसके बाद जब समय मिला तो हम यहां घूमने चले आए। मैं पहले भी कई बार यहां आ चुका हूं लेकिन मेरे दोस्त यहां पहली बार आए हैं। मैंने उनको एक गाइड की तरह ही सब चीजें दिखाईं। दिल्ली से खास लखनऊ

घूमने आए भास्कर, अवधेश और आशीष ने बताया कि हम लोग खास यहां घूमने आए हैं। पहली बार का अनुभव बेहद खास रहा। जितना इसके बारे में अब तक देखा सुना था ये उससे भी कहीं ज्यादा खूबसूरत है। अंदर कुछ लोग और मौजूद थे। इस खूबसूरत जगह आकर बेहद शांति और सुकून मिला। पहली बार परिवार के साथ घूमने आए आशियाना निवासी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि छुट्टी का दिन था तो सब लोग यहां घूमने आ गए। काफी समय हो गया था एक साथ कहीं बाहर घूमे हुए। ऐसे में सबसे पुराना लखनऊ में इमामबाड़ा घूमने का प्लान बनाया। पहला अनुभव बेहद रोचक रहा। बच्चों को भी यहां आकर बहुत अच्छा लगा। तांगा चालक सरवर ने बताया कि रविवार के दिन पहले बहुत भीड़ होती थी। इस वजह से मैं नौ बजे ही आ गया था। पहले कुछ देर सन्नाटा रहा लेकिन फिर कुछ लोग आए। पहले रविवार को अच्छी खासी सवारियां मिल जाती थीं लेकिन आज सुबह से आठ- दस ही सवारियां मिली हैं। इस वजह से हम लोग सवारियों के इंतजार में ही बैठे हुए हैं।

प्रदेश में पिछले 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 4403 नये मामले

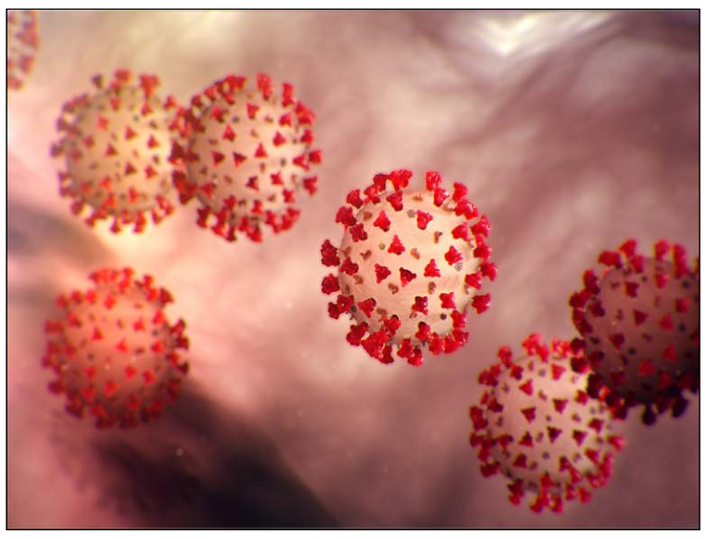

लखनऊ, संवाददाता। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में अब तक सर्वाधित कुल 1,57,710 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 96,25,076 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 4403 नये मामले आये है। प्रदेश में अब तक कुल 3,25,888 लोग पूर्णतया उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 5656 लोग उपचारित हुए। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 84.19 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 55,603 कोरोना के एक्टिव मामले है। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन में 27,826 लोग हैं, जिसमें से अब तक कुल 2,05,846 होम आइसोलेशन में से 1,78,020 लोग होम आइसोलेश की अवधि पूर्ण कर चुके हैं। श्री प्रसाद ने बताया कि निजी चिकित्सालयों में 3,564 लोग तथा सेमी पेड एल-1 प्लस में 136 लोग ईलाज करा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,22,938 क्षेत्रों में 3,85,822 सर्विलांस टीमों के माध्यम से 2,52,46,927 घरों के 12,53,69,388 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है।

प्रदेश के जलशक्ति मंत्री ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डा0 महेन्द्र सिंह ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह के निधन पर गहरा दुख एवं शोक व्यक्त किया है। डा0 महेन्द्र सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा है कि जसवंत सिंह कुशल एवं अनुभवी राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने अपने दायित्वों का भलीभांति निर्वहन किया। एक सांसद के रूप में भी वह बहुत ही लोकप्रिय थे। जनता की समस्याओं से वह भलीभांति परिचित थे। उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है। डा0 महेन्द्र सिंह ने उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए इस दुख को सहन करने हेतु उनके परिजनों को शक्ति प्रदान करने की कामना की है। डा0 महेन्द्र सिंह ने उनके पारिवारिक जनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

किसान आंदोलन से एक बार फिर ट्रेनें निरस्त पंजाब से आने वाली ट्रेनों का बदला मार्ग

लखनऊ, संवाददाता। पंजाब में किसान बिल को लेकर चल रहा किसानों का आंदोलन एक बार फिर ट्रेनों का संचालन प्रभावित करेगा। पहले किसानों ने दो दिन पंजाब बंद करने की घोषणा की थी, अब तीन दिन और बढ़ा दिया है। ऐसे में 29 सितंबर तक ट्रेनों का संचालन पटरी से उतरा रहेगा। इसके कारण लखनऊ से आवागमन करने वाली शहीद समेत कई ट्रेनें बीच रास्ते में ही निरस्त कर दी जाएंगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि शनिवार को जयनगर से अमृतसर के लिए रवाना हुई शहीद स्पेशल ट्रेन 04673 अंबाला में रद्द हो जाएगी। 29 सितंबर को अमृतसर से जयनगर जाने वाली शहीद स्पेशल ट्रेन 04674 अंबाला से ही रवाना की जाएगी। 25 सितंबर को धनबाद से फिरोजपुर के लिए रवाना हुई गंगा सतलज स्पेशल ट्रेन 03307 को अंबाला में ही टर्मिनेट कर दिया गया।

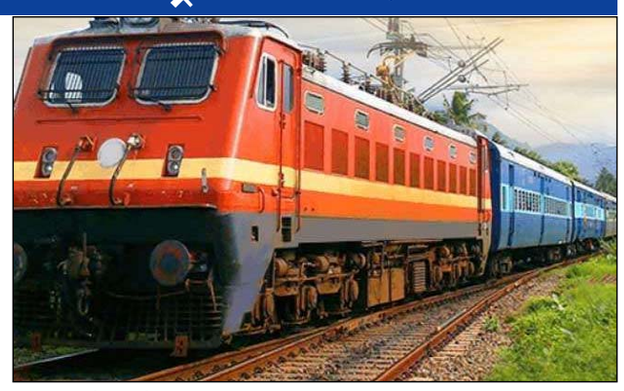

रविवार को फिरोजपुर से धनबाद जाने वाली गंगा सतलज स्पेशल ट्रेन 03308 को अंबाला से ही रवाना किया गया। शनिवार को कोलकाता से अमृतसर के लिए रवाना हुई दुर्गियाना स्पेशल ट्रेन 02357 को भी अंबाला में ही रद्द कर दिया जाएगा। सोमवार को अमृतसर से कोलकाता जाने वाली दुर्गियाना स्पेशल ट्रेन 02358 अंबाला से ही रवाना की जाएगी। किसान आंदोलन के चलते उक्त सभी ट्रेनें अंबाला से अमृतसर के बीच निरस्त रहेंगी। इसी तरह लालगढ़ से डिब्रूगढ़ के बीच चलने वाली अवध असम स्पेशल ट्रेन का मार्ग परिवर्तन किया गया है। 25 सितंबर को डिब्रूगढ़ से लालगढ़ के लिए रवाना हुई अवध असम स्पेशल ट्रेन 05909 रोहतक, भिवानी, हिसार, हनुमानगढ़ के रास्ते लालगढ़ जाएगी। रविवार को लालगढ़ से डिब्रूगढ़ जाने वाली अवध असम स्पेशल ट्रेन 05910 को भी इसी बदले मार्ग से रवाना किया जाएगा।

रामपुर के स्वार से हैदर अली खान तथा उन्नाव के बांगरमऊ से आरती वाजपेयी कांग्रेस के प्रत्याशी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव पर भले ही 29 सितंबर को निर्वाचन आयोग फैसला करेगा, लेकिन कांग्रेस बेहद मुस्तैद हो गई है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में आठ सीट पर होने वाले विधानसभा उप चुनाव के लिए रविवार को अपने दो प्रत्याशियों का नाम फाइनल कर दिया है। कांग्रेस ने उन्नाव के बांगरमऊ से आरती वाजपेयी और रामपुर के स्वार से हैदर अली खान को अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्नाव की बांगरमऊ सीट भाजपा के कुलदीप सिंह सेंगर की और रामपुर की स्वार टांडा सीट आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम खां की सदस्यता समाप्त होने के कारण खाली हुई है। स्वार विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने नवाब खानदान के हैदर अली खान उर्फ हमजा मियां को प्रत्याशी घोषित किया है। हमजा मियां

पहली बार चुनाव लड़ेंगे। उनके पिता नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां लगातार पांच बार विधायक चुने गए। चार बार स्वार सीट से ही जीते थे। उनके दादा नवाब जुल्फिकार अली खां उर्फ मिक्की मियां पांच बार रामपुर से सांसद चुने गए थे, जबकि उनकी दादी बेगम नूरबानो भी दो बार रामपुर से सांसद रही थीं। रविवार को नूरमहल पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी धीरज गुर्जर ने उन्हें प्रत्याशी बनाने की घोषणा की। उन्नाव के बांगरमऊ से कांग्रेस की प्रत्याशी पूर्व मंत्री पंडित गोपीनाथ दीक्षित की बेटी तथा दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के पति की भतीजी आरती वाजपेयी ने अनोखे ढंग से कांग्रेस का आभार जताया। आरती वाजपेयी ने ट्वीट किया कि डॉटर्स डे के अवसर पर बांगरमऊ की बेटी को इतनी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी देने के लिए प्रियंका गांधी तथा अजय कुमार लल्लू की आभारी हूं। मेरे भाई बहनों की ओर से मैं पार्टी नेतृत्व को यह विश्वास दिलाती हूं कि हम यह लड़ाई जीत कर बांगरमाऊ की खोई अस्मिता को वापस लौटायेंगे। कांग्रेस ने रविवार को बांगरमऊ उप चुनाव में प्रत्याशी की घोषणा कर अपना पत्ता खोल दिया है। कांग्रेस हाइकमान ने दूसरी बार 162 बांगरमऊ विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे पूर्व गृहमंत्री स्वर्गीय गोपीनाथ दीक्षित की पुत्री आरती वाजपेयी को चुनाव मैदान में उतारने की घोषणा कर दी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी महिला शाखा की प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यसमिति की सदस्य आरती वाजपेयी को बांगरमऊ विधानसभा उपचुनाव में पार्टी का प्रत्याशी बनाया है।

रायबरेली में गैंगस्टर एक्ट के दो अपराधियों की संपत्ति कुर्क, दर्ज हैं 22 मुकदमें

रायबरेली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार माफियाओं पर एक के बाद एक कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में रायबरेली के सदर सर्किल में गैंगस्टर एक्ट के दो अपराधियों की संपत्ति रविवार को डोल बजाकर कुर्क कर दी गई। दोनों ही प्रापर्टी डीलिंग के जरिए गलत तरीके से चल अचल संपत्ति बना रहे थे। दरअसल, शहर पुलिस ने खाली सहाट निवासी राजीव रस्तोगी उर्फ राजू सोनार के खिलाफ 22 मुकदमें दर्ज हैं। 1996 में उसके खिलाफ विस्फोटक अधिनियम और गैर इरादतन हत्या का पहला मुकदमा दर्ज किया गया था। तब से वह अपराधिक कृत्यों में संलिप्त रहता था। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के चार मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस की अब तक की तफ्तीश में खाली सहाट में उसका मकान और एक एसयूवी गाड़ी जब्त की गई है। उसकी द्वारा की जमीन की खरीद फरोख्त की अभी जांच की जा रही है। जो संपत्ति कुर्क की गई है, उसकी कीमत एक करोड़ बताई गई है। वहीं, भदोखर पुलिस ने सपा नेता व जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र यादव की तीन गाड़ियां जब्त की हैं। उनके खिलाफ भी जमीन, मकान की खरीद फरोख्त के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। एक करोड़ की कीमत की जमीन कुर्क की गई है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 12 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के मुताबिक, ये दोनों चिन्हित गैंगस्टर थे। इनकी चल अचल संपत्ति, जो इन्होंने गलत तरीके से धन कमाकर की, उसे कुर्क कराया गया है। ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाईयां होती रहेंगी।

अवनीश अवस्थी ने यमुना एक्सप्रेस-वे में फिल्म सिटी का किया निरीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से हमारा प्रदेश बहुत बड़ा है। प्रदेश सरकार ने पर्यटन जुड़े हुए बहुत से कार्यो को कराया है। उन्होंने बताया कि यह सेक्टर रोजगार, ट्रांसपोर्ट, हास्पिटलिटी, हैण्डीक्राफ्ट तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट से जुड़ा हुआ है। श्री अवस्थी ने बताया कि गृह विभाग द्वारा धारा-188 के तहत 2,30,403 एफआईआर दर्ज करते हुये 4,34,781 लोगों को नामजद किया गया है। प्रदेश में अब तक 1,65,18,289 वाहनों की सघन चेकिंग में 74,365 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 86,17,70,726 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 4,39,591 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 1257 लोगों के खिलाफ 930 एफआईआर दर्ज करते हुए 448 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि फेक न्यूज के तहत अब तक 2640 मामलों को संज्ञान में लेकर कार्यवाही की गई है तथा 27 सितम्बर को ट्विटर के कुल 03 मामलों को संज्ञान में लिया गया है तथा साइबर सेल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

माफिया खान मुबारक का घर ध्वस्त कर उजाड़ा बाग

काली कमाई से खड़ा किया था किला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के टॉप टेन अपराधियों में शामिल माफिया खान मुबारक का घर रविवार को मजिस्ट्रेट की निगरानी में ध्वस्त किया गया। सुबह से पुलिस कार्रवाई में लगी रही। गैंगस्टर की कार्रवाई में आदेश का अनुपालन करने में अभी तक माफिया की आठ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। मामला हंसवर थानाक्षेत्र के हरसम्हार गांव का है। बताया जा रहा है कि पुस्तैनी घर को छोड़कर खान मुबारक ने अपनी काली कमाई से इस मकान को गांव के बाहर सड़क पर बनाया था। सुख-सुविधा के सारे इंतजाम इसमें करने के साथ सुरक्षा को लेकर किले का रूप दिया था। बारिश को लेकर बीते दिनों शुरू हुई कार्रवाई बीच में थम गई थी। अब मौसम साफ होते ही एसपी के नेतृत्व में फिर से कार्रवाई शुरू हुई है। रविवार को सुबह से हरसम्हार गांव के पास पुलिस का पहरा बढ़ गया। यहां आने वाले रास्तों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाने के बाद आवगामन को रोक दिया गया। इसके बाद ट्रक पर लदी पोकलैंड मशीन पहुंची और माफिया का तिलिस्म गिरने लगा। इससे इतर उसके बाग में लगे पेड़ों को भी नष्ट कर दिया गया। यहां एसडीएम टांडा अभिषेक पाठक के साथ कई थानाध्यक्ष मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के मुताबिक, खान मुबारक पर प्रदेश के विभिन्न थानों में 35 मुकदमे पंजीकृत है। इसकी संपत्ति का आंकलन आठ करोड रुपये राजस्व विभाग ने किया है। इसमें से एक करोड़ 40 लाख की संपत्ति हंसवर बाजार में 20 दुकान को जमींदोज करने के बाद अब एक करोड़ से अधिक की संपत्ति और हरसंहार में मने मकान को ध्वस्त कराया जा रहा है।

कैंसर संस्थान में आयुष्मान से मिलेगा मुफ्त इलाज,पीजीआई के पैटर्न पर लागू होगी योजना

लखनऊ, संवाददाता। कैंसर संस्थान में गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मिलेगा। यहां आयुष्मान व असाध्य रोग योजनाएं लागू होंगी। दोनों योजनाओं को पीजीआइ के पैटर्न पर लागू किया जाएगा। इसके लिए खाका तैयार कर लिया गया है। चक गंजरिया स्थित आधुनिक सुविधाओं से लैस कैंसर संस्थान में इलाज शुरू हो गया है। इसका लोकार्पण शीघ्र ही मुख्यमंत्री-रक्षा मंत्री करेंगे। ओपीडी से लेकर इंडोर सेवाएं रन कर दी गई हैं। पैथोलॉजीव रेडियोलॉजी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

वहीं दुर्बल आय वर्ग के मरीजों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने की भी तैयारी चल रही है। कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. शालीन कुमार के मुताबिक अस्पताल आयुष्मान योजना के पैनल में जुड़

गया है। शीघ्र ही मरीजों के लिए पीजीआइ की तर्ज पर इंटरनल फंड से धन की व्यवस्था की जाएगी। इससे अस्पताल आने वाले आयुष्मान रोगियों को तत्काल मुफत इलाज मिल सकेगा। यह धन कितना होगा, यह शासन से मशविरा कर तय होगा। वहीं मरीज के इलाज का खर्च बाद में योजना के जरिए अस्पताल को मिल जाएगा। इसके अलावा बीपीएल कार्ड धारक असाध्य रोग योजना के जरिए भी कैंसर का मुफ्त इलाज करा सकेंगे। राज्य में आयुष्मान योजना से एक करोड़ 26 लाख परिवार जुड़े हैं। एक परिवार में न्यूनतम पांच सदस्यों का आंकलन किया गया है। ऐसे में राज्य के करोड़ों परिवार कैंसर के मुफ्त उपचार के हकदार होंगे। वह मुफ्त ऑपरेशन, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी व दवा का लाभ ले सकेंगे। कैंसर संस्थान का प्रोजेक्ट एक हजार बेड का है। प्रथम चरण में 35 एकड़ पर भवनों का निर्माण हो रहा है। इसमें 500 बेड की इंडोर बिल्डिंग समेत 11 भवन होंगे। कई भवन तैयार हो गए हैं। कुछ का निर्माण अंतिम दौर में हैं। वहीं द्वितीय चरण में शेष भूमि पर विभागों का विस्तार किया जाएगा।

पुरुषोत्तम माह की एकादशी पर कोरोना मुक्ति के लिए किया गया हवन

लखनऊ, संवाददाता। पुरुषोत्तम माह की एकादशी से अमीनाबाद के प्रताप मार्केट स्थित प्रतिष्ठित राम दरबार मंदिर में एकादशी का पूजन रविवार से शुरु हुआ। इस क्रम में मासिक एकादशी पर नियमित रूप से राम दरबार मंदिर में पूजन अनुष्ठान करवाया जाएगा। राम दरबार मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। कोरोना संकट के कारण प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए सीमित भक्तों को पूजन की अनुमति संयोजकों की ओर से दी गई थी। पूजन में सत्य नारायण की कथा के बाद हवन किया गया। आचार्य महेश शास्त्री की अगुआई में सभी पूजन-अनुष्ठान किये गए। कोरोना से मुक्ति के लिए भी आहूतियां भी दी गई। पंच यजमानों की ओर से 51 दीपक भी रोशन किये गए। पंच यजमानों की उपस्थिति में यह महा अनुष्ठान शुरू हुआ।। इसमें अभिनव अवस्थी, रुचि अवस्थी, राकेश गुलाटी, अनिल पंजाबी, राकेश छाबड़ा ने भाग लिया।

कृषि विधेयक किसानों को और सशक्त करेंगे:स्वतंत्र देव

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने रविवार को कहा है कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले 6 वर्षों में पंडित दीनदयाल के अंत्योदय के सिद्धांत के आधार पर काम कर रही है। हाल ही में पास हुए कृषि विधेयक नए सिरे से किसानों को सशक्त करने का काम करेंगे। वह रविवार को वर्चुअल वेबिनार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प लेकर आजमगढ़ के नागरिकों व कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने आगरा व डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा ने वाराणसी के कार्यकर्ताओं से संवाद किया। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता में सभी के सुख की चिंता होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने दो विधेयकों के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। किसानों को भरोसा दिलाया कि यह विधेयक 70 वर्षों से हमारे अन्नदाताओं के होने वाले शोषण को समाप्त कर एक नई व सुगम व्यवस्था को स्थापित करेंगे। पूर्व में किसानों को अपनी फसलों का भुगतान लेने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अपितु हाल ही में पारित हुए विधेयक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक व्यापारी को उसी दिन या अधिकतम तीन कार्य दिवसों के भीतर ही किसान की फसल का भुगतान करना पड़ेगा। प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना मुजफ्फरनगर, मुकुट विहारी वर्मा गोरखपुर जिला, रमापति शास्त्री बांदा, स्वाती सिंह मऊ, दारा सिंह चौहान गाजीपुर, आनन्द स्वरूप शुक्ला सोनभद्र, अनिल शर्मा कासगंज, महेश गुप्ता झांसी, जय प्रताप सिंह महोबा, चौधरी उदयभान सिंह फर्रुखाबाद, रणवेन्द्र प्रताप सिंह धुन्नी सिंह सहारनपुर जिला, रविन्द्र जायसवाल अमरोहा में आयोजित जिला स्तरीय वर्चुअल वेबिनार को संबोधित किया।

राजधानी में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 1523 लोगों का चालान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यातायात पुलिस के नियमों की अनदेखी करने वाले 1523 लोगों का आज ई-चालान किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) नवीन आरोरा के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त यातायात के निर्देशन में लखनऊ शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू करने के लिए विभिन्न चौराहो एवं तिराहो पर दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नम्बर वाहन आदि के सम्बन्ध में चेकिंग की गई। इस दौरान इन्फोर्समेण्ट टीमों द्वारा सबसे अधिक दो पहिया वाहन पर हेलमेट नध्न लगाने वाले 797 तीन सवारी बैठाने पर 33 लोगों का, नो-पार्किंग में किए गए चालान 210 और गलत दिशा में चलने वाले 43 लोगों के अलावा चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 107 लोगों का जबकि ओवर स्पीड में 192 लोगों के चालान किये गये।

नमो कंचन सेवा समिति ने लगातार दूसरे दिन भी राहत सामग्री बांटी

रुद्र प्रताप सिंह रिपोर्ट। राजधानी लखनऊ के पुराने खदरा में निशुल्क वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्गों और महिलाओं को राहत सामग्री वितरण की बच्चों को राहत सामग्री का पैकेट मिलते ही बच्चों में दिखी खुशी की लहर नमो कंचन सेवा समिति की अध्यक्ष कंचन सोलंकी को बहुत-बहुत आभार प्रकट किया और लंबी दीर्घायु की कामना की नमोकंचन सेवा समिति मैं लखनऊ के जगह जगह पर वितरण अभियान चला रखा है और लोगों के बीच निरंतर सेवा भाव का प्रयास नमो सेवा समिति के द्वारा चिन्हित कर जगह जगह पर cipla इम्युनिटी बूस्टर और चॉकलेट के पैकेट बांटे गए और लखनऊ नमोकंचन सेवा समिति ने बच्चों को इम्युनिटी बूस्टर और cipla company चॉकलेट के पैकेट का वितरण किया। समिति की मौजूदगी में समाजसेविका सैय्यद ज़रीन ने सोशल डिस्टनसिंग के साथ राहत सामग्री वितरण कि और लोगों को घर से बाहर निकलने से पहले मास्क लगाने की अपील की और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें जहां भी जाए सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन अवश्य करें देश में फैली वैश्विक महामारी से बचा जा सकता है इस आपदा घड़ी में हम सब लोगों को साथ मिलकर इस महामारी से लड़ना है तभी हम इस महामारी को अपने देश में फैलने से रोक पाएंगे।

हारेगा करोना जीतेगा भारत

जनसेवा के प्रति समर्पित समिति की अध्यक्ष नमोकंचन सेवा समिति पिछले कई महीनों से जनसेवा के प्रति सकारात्मक कार्यो के चलते खासा चर्चित है। समिति द्वारा किये गए कार्यों से क्षेत्रवासी खासा प्रभावित हुए है। गौरतलब हो कि समिति के द्वारा लॉक डाउन में लखनऊ सहित कई अन्य जिलों में जनकल्याण के लिए कई महीनों तक लगातार खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इसके अलावा कई समाजसेवी संस्थाओं सहित सरकारी विभागों के जरिये समिति ने भूख से व्याकुल राहगीर- मजदूरों को भोजन के पैकेट बांटे। लखनऊ में एलडीए के कम्युनिटी किचन का हिस्सा बनते हुए समिति ने शहर के जगह जगह से आए जरूरतमंदों तक आसानी से मदद पहुंचाने में पुरजोर कोशिश की जैसे कि आप लोगों को मालूम होगा कि नमो कंचन समिति की अध्यक्ष कंचन सोलंकी इंसानियत और मानवता मिसाल पेश की कंचन सोलंकी ने स्ट्रीट डॉग गौ सेवा सहित कई बेजुबान जानवरों को भोजन ग्रहण करवाया और आगे भी इस परंपरा को सहजता से निभाती रहेंगी कंचन सेवा समिति की इस सेवा भाव को देखकर लोगों में बड़ी प्रसन्नता देखने को मिली सभी ने कंचन सेवा समिति द्वारा किए गए सराहनीय कदम को जनता के हित में मजबूत योगदान बताया और यह भी कहा मसीहा के रूप में कंचन सेवा समिति अनेकों प्रयासों से लोगों के बीच 100 प्रतिशत सेवा भाव देने का आवाहन किया।

अजय मिश्रा को बनाया गया जिला मीडिया प्रभारी

रीवा। डीएनएन न्यूज चैनल के युवा पत्रकार अजय मिश्रा को युवा एकता परिषद युवा आगाज का जिला मीडिया प्रभारी बनाएं जाने पर त्योंथर क्षेत्र के युवाओं सहित शुभचिंतको ने हर्ष व्यक्त किया हैं साथ ही अजय मिश्रा को यह नई जिम्मेदारी मिलने पर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। हर्ष व्यक्त करने वालो में मुख्य रूप से ईशू केशरवानी, महावीर सोनी, प्रांशू केशरवानी, सोपनल केशरवानी, पवन मिश्रा, संजीव मिश्रा, अभय मिश्रा, चक्रेश मिश्रा, अनिकेत मिश्रा सहित अन्य लोग शामिल हैं।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना मड़िहान पुलिस द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म करने का आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार किया गया। दिनांक 25.09.2020 को थाना मड़िहान क्षेत्र निवासी वादिनी द्वारा थाना मड़िहान पर तहरीर दिया गया कि दिनांक 11.09.2020 को उसकी नतिनी उम्र-17 वर्ष को खेत में जाते समय एक युवक द्वारा जबरजस्ती पकड़ कर दुष्कर्म किया गया, इस संबंधं में थाना मड़िहान पर अभियोग पंजीकृत किया गया था,उक्त अभियोग की विवेचना व वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी में त्वरित कार्यवाही करते हुए वांछित अभियुक्त सोनू बिन्द पुत्र कल्लू बिन्द निवासी देवपुरा पहाड़ी थाना मड़िहान को प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह थाना मड़िहान मयहमराह द्वारा ग्राम देवपुरा पहड़ी के पास से रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

नोडल अधिकारी ने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का शत-प्रतिशत एक्सरे कराये जाने का दिये निर्देश

प्रयागराज। नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग मेडिकल कालेज में बैठक करते हुए कोविड-19 की समीक्षा की। समीक्षा में उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों की जांच कराये जाने एवं एक्सरे किए जाने की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शत-प्रतिशत मरीजों का एक्सरे कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जिससे कि मरीज की वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने सी0टी0 स्कैन किए जाने के सम्बंध में जानकारी ली, जिस पर प्राचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह ने बताया कि सीटी स्कैन मरीज की स्थिति को देखते हुए कराया जाता है। नोडल अधिकारी ने कहा कि सरकार के द्वारा जो गाइड लाइन निर्धारित की गयी है, उसका अनुपालन करते हुए मरीजों का और बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। उन्होंने व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि अस्पताल में सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त रहे। उन्होंने आईसीयू और आइशोलेशन वाले मरीजों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। बैठक में जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी-आशीष कुमार, प्राचार्य मेडिकल कालेज डॉ0 एस0पी0 सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी-जी0एस0 वाजपेयी सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

कैंप लगाकर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

गौसपुर। विद्युत उपकेन्द्र पर विभाग द्वारा कैम्प लगाकर 80 शिकायतें दर्ज करते हुए विद्युत उपभोकताओं की समस्या सुनते हुए 53 बिल सही करवाकर मौके से 85 हजार रूपया जमा करवाया। शनिवार को विद्युत विभाग के उप खंण्ड अधिकारी प्रेम प्रकाश पटेल बी डी यादव अवर अभियन्ता सत्यवान टीजीटू ने विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर समस्याओं का समाधान किया। आज आयी 80 शिकायतों मे 53 के बिल सही कराकर 49 रसीदों से 85 हजार रुपये का बिल जमा करवाया 12 लोगों के खराब मीटर बदलने के लिये 12 मीटर मौके पर भिजवाकर बदलवाऐ गये। थानाडीह के मोहम्मद इस्माइल का जला मीटर बदलवाया गया संजय मधनापुर का आई डी एफ सही करवाया गया रामरूप बरौलिया का मीटर बदला गया प्रेमावती बरौलिया के मीटर की रीडिंग नही दिख रही थी जिसे तत्काल दिखवाया गया तथा 15 लोगों के कनेक्शन भी काटे गये हैं।इस मौके पर बिजली विभाग के तिलक राम अंकित गुप्ता दीपक वर्मा सहित समस्त विद्युत कर्मियों ने कैम्प मे सहयोग प्रदान किया।

गांजा तस्करी के मामले में 6 माह से फरार दो सगे भाई साढ़े चार किग्रा गांजे के साथ गिरफ्तार

एक अन्य मामले में 15 शीशी शराब के साथ गिरफ्तार

कोरांव/प्रयागराज। गत मार्च माह के एन डी पी एस एक्ट के एक सनसनीखेज 4 कुंतल गांजे के बरामदगी के मामले में फरार दो सगे भाइयों को कोरांव पुलिस ने साढ़े चार किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभान सिंह ने बताया कि मु स171/20 एन डी पी एस एक्ट के मामले में दो फरार अभियुक्त हरिओम पटेल शशि पटेल पुत्र स्व बृजलाल पटेल निवासी कोसफरा थाना कोरांव को रविवार सुबह गांव से साढ़े चार किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है । चर्चा है कि क्षेत्र में अवैध गांजा शराब का अधाधुंध कारोबार पुलिस की सरपरस्ती में क्षेत्र के गुमटियों किराना दुकानों से लेकर हर जगह फुटकर व थोक कारोबार हो रहा है। वही कोरांव पुलिस ने क्षेत्र के कुकरहता वितनी पुर गांव में गुलाब शंकर पुत्र ललई को 15 शीशी अवैध शराब के साथ मु स 482/20 में धारा 60 एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है। अवैध कारोबारियों की माने तो पुलिस के संरक्षण में चल रहे जगह जगह मादक पदार्थो के व्यपारियो को बारी बारी से पुलिस बुलावा भेज जमानती धाराओं में जेल भेजती रहती हैं।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक शव

बाराबंकी। कोतवाली बदोसरांय क्षेत्र के ग्राम बरौलिया के सीतादेवी महाविद्यालय तिराहे के निकट जंगल में सूरज वर्मा 20 वर्ष पुत्र लवकुमार वर्मा का शव पेड़ में फांसी के फंदे से लटकता मिला। परिजनों नें हत्या की आशंका जताते हुए बताया कि मृतक सूरज के दोनों पैर ज़मीन में रखे हुए थे।और मोबाइल फोन भी गायब है। सूचना पर पहुंची बदोसरांय पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है जांच पड़ताल जारी है। उधर परिजनों का रो रोकर हुआ बुरा हाल।

पोक्सो एक्ट धाराओं में वांछित अपराधी को पुलिस ने भेजा जेल

रुद्र प्रताप सिंह। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय हृदेश कुमार के निर्देशानुसार अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान में क्षेत्राधिकारी योगेंद्र सिंह मलिहाबाद के कुशल पर्यवेक्षण द्वारा पुलिस ने मिली सूचना पर कोतवाली मलिहाबाद इस्पेक्टर चिरंजीव मोहन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार द्विवेदी व पुलिस स्टाप की मदद से मालिहाबाद पुलिस ने पेंडिंग विवेचना में 376 पॉक्सो एक्ट से संबंधित धाराओं में वांछित अपराधी सूरज पुत्र बसंत लाल सिरगामऊ का निवासी है और मऊ मार्ग पुलिया के पास कहीं जाने की फिराक में खड़ा है मुखबीर द्वारा मिली सूचना के अनुसार जल्दी किया जाए तो पकड़ा जा सकता है इस सूचना पर विश्वास करके वह अपने पूरे पुलिस फोर्स के साथ सुरेंद्र कुमार द्विवेदी पुलिया के पास पहुंचे तो मुखबिर दूर से इसरा करके चला गए व्यक्ति को एक बारगी दबिश देकर पकड़ लिया गया पकड़े गए व्यक्ति से नाम पता पूछा तो अपना नाम सूरज पुत्र बसंत लाल निवासी सिरगामऊ थाना अंतर्गत मलिहाबाद जनपद लखनऊ और अपनी उम्र 21 वर्ष बताया अभियुक्त को उपरोक्त को जुर्म धारा से अवगत कराते हुए जिसको पुलिस ने कब्जे में लेकर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना हलिया व आबकारी की संयुक्त टीम की कार्यवाही में शराब बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश

हलिया/मीरजापुर। अवैध मादक पदार्थों के निर्माण विपणन व तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में इलेक्ट्रानिक व धरातलीय अभिसूचना संकलन कर थाना हलिया व आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए रविवार को थाना हलिया अंतर्गत रतेह बाजार के पास बबुरा खुर्द गांव की जाने वाली सड़क पर राजेन्द्र चौरसिया पुत्र राम कैलाश चौरसिया के मकान में छापेमारी कर कमरे में चल रही अपमिश्रित/नकली शराब की फैक्ट्री का पर्दाफाश कर नकली ब्लू लाइम क्यू आर कोड़-20744 अदद, ब्लू लाइम रैपर-2000 अदद, अपमिश्रित शराब के परिवहन में प्रयुक्त होने वाली सफारी वाहन यूपी 70 बीबी 9999 में लदी तैयार 268 शीशी (प्रत्येक 180 एमएल) कुल 48 लीटर नकली/अपमिश्रित शराब,खाली शीशी-3300 अदद,ढक्कन सील करने की लोहे की मशीन-02 अदद, पेटी बनाने के गत्ते -58 अदद,50 लीटर के 17 अदद भरे हुए ड्रम जिसमें 07 ड्रम में तैयार अपमिश्रित शराब कुल 350 लीटर व 10 ड्रम में 500 लीटर स्प्रिट बरामद किया गया

संदिग्ध परिस्थितियों में बीमार व्यक्ति की मौत

प्रयागराज। थाना शंकरगढ़ पुलिस चौकी नारीबारी क्षेत्र के निवासी बीमार कमजोर व्यक्ति का थाना बारा के गन्ने पहाड़ी मे नसेडियो के आपस मे झगड़े से हुई मौत। सुरवल सहनी नारीबारी थाना शंकरगढ़ निवासी अशोक कुमार हरिजन उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व.शिवधारी प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। जो थाना बारा पुलिस चौकी क्षेत्र गन्ने पहाड़ी पर बड़े लाल आदिवासी व उनकी पत्नी से शराब के नशे मे विवाद हो गया,प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने धक्का दे दिया। जिससे युवक को चोटे लग गई। इलाज को ले जाते समय युवक की मौत हो गयी। सूचना पर नारीबारी और बारा की पुलिस मौके पर पहुच कर शव को कब्जे मे लेकर बारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा। थानाध्यक्ष बारा का कहना है कि मृतक की बीमारी से मौत हुई है। कही पर उसे चोट नही लगी है क्षेत्र मे तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है। मृतक के पुत्री संगीता 12 वर्ष व बूढ़ी मां आदि का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक ही अपने परिवार का सहारा था।

सोरावं गांव की पूनम द्विवेदी प्रवक्ता पद पर हुई चयनित, खुशी

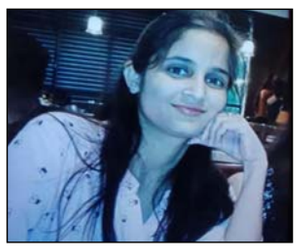

प्रयागराज। तहसील सर्किल विकास खंड उरुवा की सोरांव गांव निवासी पूनम द्विवेदी पुत्री वरिष्ठ अधिवक्ता रविन्द्र नाथ द्विवेदी ने शिक्षा जगत मे गांव का नाम रोशन करते हुए, लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रवक्ता पद चयनित हुई। परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए गांव का नाम रोशन किया।

पूनम द्विवेदी ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत गृहणी माता, अधिवक्ता पिता व पूरे परिवार को दिया है। गांव की बेटी की सफलता पर समूचे गांव के लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। बेटी की सफलता पर माता-पिता ने भी खुशी जाहिर की है।

विश्व हिंदू परिषद के नायक अशोक सिंघल के जन्म दिवस पर श्रद्धालुओं को वितरण किया फल

प्राचीन लोधेश्वर महादेव पूजा अर्चना दर्शन वह जलाभिषेक पैदल परिक्रमा कर रहे सैकड़ों श्रद्धालु

रामनगर,बाराबंकी। प्राचीन लोधेश्वर महादेवा पूजा अर्चना दर्शन व जलाभिषेक के लिए पैदल व परिक्रमा कर जा रहे सैकड़ों श्रद्धालुओं को विश्व हिंदू परिषद के नायक अशोक सिंघल के जन्म दिवस के अवसर पर रामनगर विहिप के कार्यकर्ताओं ने भक्तों को फल वितरित किए। महादेवा जा रहे श्रद्धालुओं को गौ रक्षा प्रमुख रामसूरत चौहान के संयोजन में जिला उपाध्यक्ष डॉ आरपी दुबे,प्रखंड अध्यक्ष एसपी शुक्ला, प्रखंड मंत्री राहुल कुमार वर्मा,प्रखंड उपाध्यक्ष योगेंद्र मिश्र, बजरंग दल प्रखंड संयोजक इंद्रेश दीक्षित व नगर मठ मंदिर प्रमुख विनोद सैनी ने फलाहार कराया। प्रखंड अध्यक्ष ने बताया अशोक सिंघल ने परिषद के काम में धर्म जागरण,सेवा, संस्कृत,परावर्तन, गोरक्षा आदि अनेक नये आयाम जुड़े। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण है श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आन्दोलन, जिससे परिषद का काम गाँव-गाँव तक पहुँच गया। इसने देश की सामाजिक और राजनीतिक दिशा बदल दी। 1984 में दिल्ली के विज्ञान भवन में एक धर्म संसद का आयोजन किया गया। सिंघल इस के मुख्य संचालक थे। यहीं पर राम जन्मभूमि आंदोलन की रणनीति तय की गई। यहीं से सिंघल ने पूरी योजना के साथ कारसेवकों को अपने साथ जोड़ना शुरू किया। उन्होने देश भर से 50 हजार कारसेवक जुटाये। सभी कारसेवकों ने राम जन्म भूमि पर राम मंदिर स्थापना करने की कसम देश की प्रमुख नदियों के किनारे खायी। 1992 में विवादित ढाँचा तोड़ने वाले कारसेवकों का नेतृत्व सिंघल ने ही किया था। इस अवसर पर महादेवा चौकी प्रभारी वेद प्रकाश शर्मा प्रखंड उपाध्यक्ष राम प्रताप मिश्र मंझारा प्रधान उधम सिंह चौहान रतन जैतपुर प्रधान राजेश सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

खुद बीमार समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से परेशान गरीब मरीज

बाराबंकी। यूपी सरकार गरीबों के स्वास्थ्य के लिए तामाम जन कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबो के स्वास्थ के प्रति चिंतित है लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टिकैतनगर सरकार की मंशा के एकदम विपरीत कार्य करके सरकार की तमाम स्वास्थ्य सम्बंधित योजना को मुंह चिढ़ा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समुदाय स्वास्थ्य केंद्र टिकैतनगर की स्वास्थ्य सेवाएं दिन प्रतिदिन बद से बदतर होती नज़र आ रही हैं ।

इलाज के लिए आने वाले मरीजों को चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है जिस कारण मरीजों को बिना इलाज कराये ही वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में गरीब मरीजों को निजी डॉक्टरों के पास इलाज करवाना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार जरा सा भी ध्यान नही दे रहे हैं जिससे तराई व नगर के गरीब तबके के मरीजों को इलाज के अभाव में भारी सामना करना पड़ रहा है। आलम या है कि ना तो केंद्र पर समय से डॉक्टर आते है न ही दवाये मिलती हैं ऐसे में क्षेत्र के लोगो का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टिकैतनगर में प्राइवेट हॉस्पिटलों से भी ज्यादा महंगी दवाएं लिखी जाती हैं। जिससे इस वैश्विक महामारी के चलते लोगों को महंगी दवाइयां खरीदना बहुत ही मुश्किल हो रहा है। अगर सुविधाओं की बात की जाए तो मरीजों को अंधेरे में ही मोमबत्ती या टॉर्च को दिखाकर इंजेक्शन लगाया जाता है अगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित जनरेटर की बात की जाए तो शायद कोई भी नहीं बता सकता कि वह कब चलता है कब नही और ना ही मरीज वार्ड में पंखे चलते हैं और न ही लाइट की उचित व्यवस्था है जिससे मरीजों को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं पूरे चिकित्सा परिसर में गंदगी व्याप्त है ऐसे में मरीजों के साथ आये तीमारदार भी इधर उधर भटकते हुए बेबस नजर आते हैं।

गांजा तस्करी के मामले में 6 माह से फरार दो सगे भाई साढ़े चार किग्रा गांजे के साथ गिरफ्तार

कोरांव/प्रयागराज। गत मार्च माह के एन डी पी एस एक्ट के एक सनसनीखेज 4 कुंतल गांजे के बरामदगी के मामले में फरार दो सगे भाइयों को कोरांव पुलिस ने साढ़े चार किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभान सिंह ने बताया कि मु स171/20 एन डी पी एस एक्ट के मामले में दो फरार अभियुक्त हरिओम पटेल शशि पटेल पुत्र स्व बृजलाल पटेल निवासी कोसफरा थाना कोरांव को रविवार सुबह गांव से साढ़े चार किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है । चर्चा है कि क्षेत्र में अवैध गांजा शराब का अधाधुंध कारोबार पुलिस की सरपरस्ती में क्षेत्र के गुमटियों किराना दुकानों से लेकर हर जगह फुटकर व थोक कारोबार हो रहा है। वही कोरांव पुलिस ने क्षेत्र के कुकरहता वितनी पुर गांव में गुलाब शंकर पुत्र ललई को 15 शीशी अवैध शराब के साथ मु स 482/20 में धारा 60 एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है। अवैध कारोबारियों की माने तो पुलिस के संरक्षण में चल रहे जगह जगह मादक पदार्थो के व्यपारियो को बारी बारी से पुलिस बुलावा भेज जमानती धाराओं में जेल भेजती रहती हैं।

पूर्व चेयरमैन राजीव चौधरी के निधन पर शोक सभा शोक सभा आयोजित

बाराबंकी। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे राजीव चौधरी। कौमी एकता की मिसाल के रूप में राजीव चौधरी जाने जाएंगे। उनका आकस्मिक निधन बाराबंकी जनता को अपूर्णनीय क्षति है। उक्त विचार आज लोहिया भवन के मे नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन राजीव चौधरी के निधन पर आयोजित शोक सभा में सपा जिला उपाध्यक्ष/प्रभारी कुर्सी मो सबाह ने व्यक्त किए। श्री मो सबाह ने कहा कि पूर्व चेयरमैन राजीव चौधरी मृदुभाषी, गरीबों के हमदर्द थे। नगर परिषद के चेयरमैन रहते उन्होंने कई उल्लेखनीय कार्य किए, समाज के शोषित, वंचितो के मसीहा थे। वरिष्ठ अधिवक्ता हुमायूं नईम खा ने स्वर्गीय राजीव चौधरी के निधन की अपूर्णनीय क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में अपनी गहरी छाप छोड़ी। सपा जिला सचिव वीरेंद्र कुमार वर्मा ÷नेवली÷ ने कहा कि उनके समाज सेवा के अथक प्रयास हेतु उनको हमेशा याद किया जाएगा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सपा जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा ने कहा कि उनके विचारों को बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सब की है। उनकी यादें हमेशा जुड़ी रहेंगी। सपा नेता दानिश सिद्दीकी के संचालन में इस शोक सभा को संबोधित करने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल कुमार वर्मा, देवेंद्र कुमार वर्मा, रूद्र प्रताप सिंह, अधिवक्ता सभा प्रवक्ता प्रणव बाजपेई, शान्ती ओम जिला अध्यक्ष अधिवक्ता सभा, मनोज वर्मा मन, सपा नेता विक्रांत वर्मा, जिला सचिव राजेश वर्मा, सतीश यादव आदि प्रमुख मौजूद रहे।

कृषि विभाग द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के अंतर्गत कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया

रुद्र प्रताप सिंह। जिसकी बैठक लखनऊ मलिहाबाद क्षेत्र के गोंदा मुज्जम नगर में बैठक का आयोजन किया गया और बैठक में केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री विवेकानंद सिंह , राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन सलाहकार श्री राजपूत जी व माधुवेंद्र सिंह चौहान बीटीएम मलिहाबाद, चक्रेश कुमार ,विमल सिंह एटीएम मलिहाबाद व तकनीकी सहायक लवकुश वर्मा की और एचीवर कृषक श्याम सिंह, अमर सिंह (कृषि स्नातक) उपस्थित रहे किसानो को आम की फसल में लगने वाले रोग व कीटो की में होने वाले प्रशिक्षण की जानकारी विवेकानंद जी द्वारा दी गई उन्होंने बताया कि कुछ दिन बाद कृषि विज्ञान केंद्र में ट्रेनिंग का आयोजन कराया जाएगा।

जिसमें कृषक लोग ट्रेनिंग ले सकते हैं उसमें कृषको की उम्र 18 से 35 वर्ष तक के ही लोग हिस्सा ले सकते हैं इन्हें पौधशाला के रख रखाव की भी ट्रेनिंग दी जाएगी और उन्हें अच्छी प्रजातियों के मातृ पौधे भी वितरित किए जाएंगे फसल बीमा व मृदा की उर्वरता को कैसे बनाएं रखें व पराली न जलाने व इन सीटू योजना में यन्त्रो की जानकारी मलिहाबाद बीटीएम माधुवेंद्र सिंह चौहान द्वारा दी गयी राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन के सलाहकार द्वारा धान की फसलों में लगे रोगों व कीटो से सुरक्षा व कृषक अपनी आय दोगुनी कैसे करे, इसके बारे में जानकारी दी गई और जैविक खेती करने की सलाह भी दी इसके साथ अमर सिंह जी द्वारा रबी की फसल में तोरिया अन्य फसलों के लिए भूमि उपचारित बीजो को बोने के बारे में सुझाव भी दिया गया।

बिहार चुनाव, मीडिया, विपक्ष और जनता

निश्चित तौर पर 15 वर्षों से सत्ता सम्हाल रहे नीतिश कुमार भाजपा का कंधा पाकर एक बार सत्ता के सिहांसन पर कब्जा करने की पूरी फिराक में है। इस चुनाव में सबसे बड़ी परीक्षा मीडिया, जनताऔर विपक्ष की होनी है। सबसे पहले मीडिया की बॉत कर ले, पिछले कुछ अरसे से या फिर यह कहे कि देशमें मोदी नेतृत्व वाली सरकार के आने कुछ समय बाद से ही मीडिया पर यह तोहमत लगती चली आ रही है कि मीडिया सत्ता पक्ष के हिसाब से काम कर रहा है। आम जनता इस बॉत को लेकर परेशान रहती है कि मीडिया सत्तारूढ सरकारों की कमियों को सामने लाने में हिचक रहा है। अब जनता की बारी आ चुकी है जनता को फैसला करना है जनता बिना लागलपेट के फैसला ले सकती है। बिहार में सत्तारूढ़ सरकार और केन्द्र की सरकार में भाईचारा है यानि एक दूसरे की पूरक है। ऐसे में अगर जनता को लगता है कि सरकार जन विरोधी है तो उसके हाथ में वह हाथियार आ चुका है कि वह स्वंय विवेक से फैसला लें। अगर बिहार की जनता पुनःजेडीयू और भाजपा गठबंधन को चुनती है तो यह तय माना जाए कि मीडिया अपनी जगह पर दुरूस्त भूमिका निभा रही है। अगर बिहार की जनता विपक्ष को तरजीह देती है तो मानना पड़ेगा कि मीडिया ने वाकई कही न कही पक्षपात किया है और उसे इसे सुधारना होगा। अब बॉत करे विपक्ष की तो निश्चित तौर पर बिहार का चुनाव बिहार के लाल, जब तक रहेगा समोसे में आलू.... वाले लालू प्रसाद यादव के अस्तित्व को बनाए रखने या समाप्त करने वाला साबित होगा। बिहार में फिलहाल जो मुद्दे सामने आए है उनमें सुशांत सिंह राजपूत, हरिवंश, रघुवंश प्रसाद,बेरोजगारी,कोरोना और बाढ़ राहत,डबल ईंजन की सरकार,नीतीश बनाम तेजस्वी,कृषि सुधार बिल,एंटी इनकंबेंसी,बिहार को विशेष राज्य का दर्जा शामिल है। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही हमारा लोकतंत्र एक नए दौर में प्रवेश कर गया। राजनीतिक रूप से बहुत महत्व रखने वाले बिहार विधानसभा चुनाव पर पूरे देश की निगाह है और इस बार तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी खास तौर से भारतीय लोकतांत्रिक खूबियों को परखने आएगा। चुनाव आयोग ने पूरी

सावधानी बरतते हुए तीन चरण में मतदान कराने की घोषणा की है। 28 अक्तूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को मतदान के बाद 10 नवंबर को मतों की गिनती होगी, जिसके साथ ही राज्य के मतदाताओं का फैसला देश-दुनिया के सामने आ जाएगा। दिवाली से पहले ही परिणाम सामने आ जाएंगे। विशेष रूप से दिवाली के बाद आने वाले छठ महापर्व के मद्देनजर भी ये चुनावी तिथियां प्रशंसनीय हैं। पहले चरण में 71 सीटों, दूसरे चरण में 94 सीटों और अंतिम चरण में 78 सीटों पर मतदान होगा। मतदान के बीच तीन से ज्यादा दिन का अंतराल भी उचित है।निर्वाचन आयोग की ओर से बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पक्ष-विपक्ष के बीच जोर आजमाइश का एक और मैदान सज गया। आम तौर पर किसी राज्य में चुनावी तिथियों की घोषणा के बाद जीत-हार के अनुमान लगाने का सिलसिला तेज हो जाता है। यह बिहार को लेकर भी तेज होगा, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए इस नतीजे पर पहुंचना ज्यादा कठिन काम नहीं कि वहां किसकी जीत-हार संभावित है? इसका कारण यह है कि बिहार में विकल्पहीनता की स्थिति उभर रही है। यह स्थिति पक्ष-विपक्ष के बीच कांटे की टक्कर सरीखा माहौल शायद ही बनाए। विपक्षी खेमा भले ही खुद को महागठबंधन बताए, लेकिन उसमें महा जैसा कुछ दिख नहीं रहा है। बिहार में नारे भी उत्साहित कर रहे है जैसे आरजेडी '''लौटेगा बिहार का सम्मान-जब थामेंगे तेजस्वी कमान,। '' शिक्षा क्षेत्र का हाल-भ्रष्ट सरकार ने किया बेहाल'' , ''बंद पड़े उद्योग चलाएंगे, नया बिहार बनायेंगे। '' जैसे नारों के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है।कांग्रेस ''बोले बिहार-बदलें सरकार ''। तो जेडीयू का नारा ''नीतीश के काम, नीतीश में विश्वास बिहार में विकास और विकसित बिहार '' तो भाजपा का नारा ''भाजपा है तैयार, आत्मनिर्भर बिहार '' का नारा लेकर जनता के बीच है। चुनाव आयोग ने जो पैमाने तय किए हैं, उनके अनुसार चुनाव आसान नहीं होंगे। लोगों को तो ज्यादा नहीं, लेकिन नेताओं को ज्यादा परेशानी होने वाली है। लोगों तक पहुंचना आसान नहीं होगा। बड़ी सभाओं के न होने का मतलब है, चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की कमी खलेगी। किसी बड़े नेता को चुनाव प्रचार करते हुए महज पांच लोगों के साथ देखना अलग ही अनुभव होगा। हालांकि यह चुनौती है कि जब हमारे बाजारों में सैकड़ों लोग एक जगह जुटने लगे हैं, तब नेताओं को भीड़ से कैसे बचाया जाएगा?

पांच से ज्यादा संख्या में तो खुद पुलिस वाले आवाजाही करते हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने साफकर दिया है कि कोरोना की वजह से एक बार में एक साथ पांच से ज्यादा लोग घर-घर जाकर प्रचार नहीं कर पाएंगे। वर्चुअल चुनाव प्रचार करना होगा। नामांकन के लिए जाते समय पहले नेता शक्ति प्रदर्शन किया करते थे, इस बार दो से ज्यादा गाड़ी नहीं ले जा सकेंगे।यह बहुत अच्छा है कि इस चुनाव में दिखावे की गुंजाइश कम से कम होने वाली है और शायद लोग भी पहले की तुलना में अच्छे नेताओं का चयन कर सकेंगे, शोर-गुल और भीड़ के झांसे में नहीं आएंगे। आशंका ऐसी कि सामने के दरवाजे से खर्च घटेंगे और पिछले दरवाजे से खर्चों में वृद्धि होगी। ऐसे में चुनाव आयोग की चुनौती यहां बढ़ जाएगी। इसके अलावा, जिन दलों ने गली-गली तक कार्यकर्ता आधार तैयार किए हैं, उन्हें फायदा होने वाला है। एक बड़ी चिंता चुनावकर्मियों की रहेगी, इसके लिए छह लाख पीपीई किट राज्य चुनाव आयोग को दिए जाएंगे। बड़ी संख्या में मास्क और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग आयोग को सुनिश्चित करना होगा। चुनाव आयोग ने बताया है कि जहां जरूरत होगी, वहां पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की जाएगी। नामांकन भी ऑनलाइन भरे जा सकेंगे। आगे भी जमीनी अनुभव के आधार पर चुनाव आयोग को फैसले लेने और लागू करने के लिए तैयार रहना होगा। एक समय बिहार में बड़ी राजनीतिक ताकत रहा लालू यादव का राष्ट्रीय जनता दल उनके जेल जाने के बाद से तो कमजोर पड़ा ही है, उसके कुछ सहयोगी भी उसका साथ छोड़ गए हैं। तेजस्वी यादव की कार्यशैली से नाराज होकर पहले जीतनराम मांझी महागठबंधन से छिटके, फिर उपेंद्र कुशवाहा। भले ही इन दोनों नेताओं का व्यापक जनाधार न हो, लेकिन उनके राजद से अलग होने से जनता को यह संदेश तो गया ही कि महागठबंधन पहले जैसा मजबूत नहीं रहा। कांग्रेस अवश्य महागठबंधन की एक प्रमुख घटक है, लेकिन उसकी महत्ता सहयोगी दल के रूप में ही अधिक रह गई है। स्पष्ट है कि बिहार का राजनीतिक परिदृश्य विपक्ष की कमजोरी को रेखांकित कर रहा है। इसी कमजोरी के कारण बिहार की जनता के समक्ष ज्यादा विकल्प नहीं दिख रहे। इसका लाभ जदयू-भाजपा को मिलना स्वाभाविक है। जहां महागठबंधन में मुख्यमंत्री के दावेदार को लेकर सवाल हैं, वहीं सत्तापक्ष में इसे लेकर कोई संशय नहीं कि वह नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ने जा रहा है। एक अर्से से रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन से अपने मोहभंग को बयान कर रही है, लेकिन इसके आसार कम हैं कि वह उससे अलग होकर खुद के बलबूते चुनाव लड़ने का फैसला करेगी। ज्ञात हो कि कोरोना काल में अवाम, मोदी सरकार से ज्यादा नीतीश सरकार से नाराज बताई जाती है जिसने प्रवासी मजदूरों के बिहार लौटने के केंद्र सरकार के प्रस्तावित प्रबंध का औपचारिक विरोध किया था। बॉढ़ की विभीषका से अभी तक बिहार के कई क्षेत्रों में जनजीवन बेहाल है।

सम्पादकीय

बिजूका सरकार और पूंजीपति टिड्डी दल

संसद का इस बार का मानसून सत्र कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। सरकार का निरंकुश रवैया खुलकर देश ने देख लिया। हालांकि गोदी मीडिया ने बहुत कोशिश की कि इस देश की जनता केवल बॉलीवुड में ड्रग्स की समस्या को देखे, और थोपी हुई खबरों की मदहोशी में रहे, लेकिन फिर भी सरकार का सच कहीं न कहीं से बाहर निकल ही आता है। जैसे नोटबंदी और जीएसटी के फैसलों का खोखलापन देश ने देख लिया, उसी तरह लॉकडाउन की विफलता भी सामने आ गई। और यह भी नजर आ गया कि लॉकडाउन कोरोना से बचाव के लिए कम, सरकार की मनमानी पर पर्दादारी के लिए अधिक था। राहत पैकेज के नाम पर सरकार जिस तरह की घोषणाएं कर रही थीं, उससे कुछ अंदाजा लग रहा था कि सरकार कैसे सब कुछ उद्योगपतियों के हवाले करना चाहती है और उनका अधिक से अधिक मुनाफा हो, इसके लिए नीतियां बना रही है। यह अनुमान मानसून सत्र में पुष्टि में बदल गया, जब कृषि विधेयकों और श्रम कानून में बदलाव को सरकार ने बिना किसी चर्चा के मंजूरी दे दी। देश की अर्थव्यवस्था इस वक्त औंधे मुंह गिरी हुई है। कृषि और निर्माण कार्यों में तेजी से अर्थव्यवस्था को सुधारने में काफी मदद मिलेगी। क्योंकि गांवों से पूंजी का बहाव होगा तो बाजार में मांग बढ़ेगी, उससे उत्पादन बढ़ेगा और रुका हुआ अर्थचक्र फिर घूमने लगेगा। गांवों को मजबूत कर, भारत के शहरों को भी मजबूती दी जा सकती है। लेकिन मोदी सरकार ने किसानों और मजदूरों के हक को मारने वाले विधेयक लाकर अर्थचक्र को नयी जंजीरों में बांध लिया है। श्रम कानून में बदलाव की सुगबुगाहट लॉकडाउन के वक्त से हो रही थी। चीन के आर्थिक बहिष्कार के बीच जापान और अमेरिका की कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने के नाम पर कई राज्य श्रम कानूनों को पूंजीपतियों के हक में करवाना चाह रहे थे और अब ऐसा ही हो गया है। अब कंपनी मालिकों को कामगारों को काम पर रखना या निकालना आसान हो जाएगा। किसी भी संगठन में काम करने वाला कोई भी कामगार बिना 60 दिन पहले नोटिस दिए हड़ताल पर नहीं जा सकता। मालिकों की सुविधा के लिए कांट्रैक्ट पर अधिक लोगों को रखने की छूट भी मिल गई है। देश में बेरोजगारी का जैसा आलम है उसमें कुछ नहीं से कुछ भला, मानकर लोग किसी भी हाल में नौकरी करने पर मजबूर होंगे और उनकी मेहनत का फल पूंजीपति को मिले, ऐसी व्यवस्था सरकार ने कर ही दी है। पहले कहा जाता था उत्तम खेती, मध्यम बान, निषिद चाकरी भीख निदान। यानी खेती को सबसे उत्तम और चाकरी यानी नौकरी करने को खराब बताया गया था। मोदीजी ने अपने राज में नौकरी और खेती दोनों को एक बराबर कर दिया और बान यानी व्यापार अब मध्यम नहीं बल्कि सबसे ऊपर हो गया है, देश की सत्ता से भी ऊपर। इस व्यापार यानी कार्पोरेट पूंजी के आगे सब नतमस्तक हैं। देश में तेल से लेकर खेल तक सब कुछ बेचने वाले पूंजीपतियों को अब खेती पर भी अपना मालिकाना हक चाहिए। इसलिए किसानों की भलाई के नाम पर सरकार सारे विरोध के बावजूद कृषि पर नए कानून बनाने पर तुली है। विपक्ष कृषि विधेयकों का विरोध कर रहा है, तो सरकार उसे बिचौलियों का हितैषी बता रही है, लेकिन देश के किसान भी इन विधेयकों के विरोध में हैं, तो क्या वे भी बिचौलियों के हितैषी हैं। 25 सितम्बर को किसानों ने भारत बंद का आह्वान किया है। पंजाब में किसान तीन दिन का रेल रोको आंदोलन चला रहे हैं। कई जिलों में रेल ट्रैकों पर किसान अपने घर के बूढ़े-बच्चों के साथ धरने पर बैठे हैं। क्या इन्हें भी अपने भले-बुरे की समझ नहीं है, जो इस महामारी में पूरे परिवार के साथ धरनारत हैं। क्या समझदारी और देशभक्ति पर मोदी सरकार अपना कॉपीराइट समझती है। अगर ऐसा है, तो फिर सरकार बताए कि किस आधार पर वह विपक्ष और किसानों को यह समझा रही है कि एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था खत्म नहीं होने वाली है। यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उसने नए विधेयकों में ऐसा कोई प्रावधान किया है कि कृषि उपज मंडियों के बाहर जो कृषि उत्पाद बेचे जाएंगे, अगर वे एमएसपी से कम पर बिके तो खरीदने वाले पर कोई कार्रवाई होगी। 2014 के चुनाव में भाजपा ने वादा किया था कि वह एमएसपी तय करने के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करेंगे, लेकिन बाद में कोर्ट में हलफनामा देकर मोदी सरकार ने कहा था कि ऐसा करना संभव नहीं होगा। वादाखिलाफी की इस पुरानी परंपरा को सरकार आगे भी कायम रखेगी, ऐसी उम्मीद किसानों को है. इसलिए वे अपने भविष्य को लेकर डरे हुए हैं और सरकार से लगातार मांग कर रहे हैं कि विधेयकों को वापस लिया जाए। सरकार भले अंग्रेजी अखबारों में अंग्रेजी में विज्ञापन देकर किसानों के हित की बात करे, लेकिन भाषा के बंधन से परे किसान अपना अच्छा-बुरा समझते हैं। वे जानते है कि जैसे कर्ज माफी चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा रह गया, जैसे आय दोगुनी करने की बात जुमला बनकर रह गई, वैसे ही एमएसपी पर भी सरकार खोखली बात ही कर रही है। उसका खोखलापन इस बार जिस तरह से एमएसपी में वृद्धि की गई, उससे जाहिर भी हो गया है।जैसे शिक्षा का अधिकार होने के बावजूद देश में अच्छी और ऊंची शिक्षा पाना सुविधाभोगी वर्ग का ही अघोषित हक बन गया है, वही हाल नए कृषि विधेयकों के बाद किसानों का होगा। जहां कागजों में उनके हक बंध कर रह जाएंगे, सरकार उन पर बिजूका बन कर खड़ी रहेगी, लेकिन साथ ही ये देखेगी कि उनकी मेहनत की फसल पूंजीपतियों के टिड्डीदल चट कर जाएं।

पूरा विश्व कोरोना से जूझ रहा है ऐसे में संयुक्त राष्ट्र कहाँ है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र आमसभा की बैठक को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने इस विश्व निकाय की ताकतवर संस्थाओं में भारत की दावेदारी पेश की. उन्होंने पूछा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की प्रक्रिया कब पूरी होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की आमसभा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया. इस दौरान प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में बड़े बदलावों की वकालत की. उन्होंने कहा कि भारत के लोग यूएन की अहम संस्थाओं में प्रतिनिधित्व का इंतजार कर रहे हैं. मोदी जी ने पुछा कि पिछले 8-9 महीने से पूरा विश्व कोरोना वैश्विक महामारी से संघर्ष कर रहा है. इस वैश्विक महामारी से निपटने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र आज कहां है? . संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाओं में बदलाव, व्यवस्थाओं में बदलाव, स्वरूप में बदलाव आज समय की मांग है. भारत के लोग संयुक्त राष्ट्र के सुधारों को लेकर लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. आखिर कब तक भारत को संयुक्त राष्ट्र के फैसले लेने वाली बॉडी से अलग रखा जाएगा. एक ऐसा देश, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां विश्व की 18 फीसदी से ज्यादा जनसंख्या रहती है, जहां सैकड़ों भाषाएं हैं, सैकड़ों बोलियां हैं, अनेकों पंथ हैं, अनेकों विचारधाराएं हैं. जिस देश ने सालों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने और सैकड़ों सालों की गुलामी, दोनों को जिया है, जिस देश में हो रहे परिवर्तनों का प्रभाव दुनिया के बहुत बड़े हिस्से पर पड़ता है. उस देश को आखिर कब तक इंतजार करना पड़ेगा? संयुक्त राष्ट्र ने इस साल 75 साल पूरे किए। संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक में, ऐतिहासिक क्षणों को मनाने के लिए, विश्व के नेता एक साथ आते हैं। यह बैठक, द फ्यूचर वी वांट, यूएन वी नीडरू रीफ्लिमेटिंग आवर कलेक्टिव कमिशन टू मल्टीलैटलिज्म, एक ऐतिहासिक घटना है, जैसा कि 75 वर्षों में पहली बार हुआ। संयुक्त राष्ट्र का जन्म युद्ध से दूर रखने के इरादे से बनाए गए एक और अंतरराष्ट्रीय संगठन की साख से हुआ था। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, वर्साय की संधि के हिस्से के रूप में जून 1919 में राष्ट्र संघ बनाया गया था। हालांकि, जब 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, तो लीग बंद हो गई और जिनेवा में इसका मुख्यालय पूरे युद्ध में खाली रहा। नतीजतन, अगस्त 1941 में, अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट और ब्रिटिश प्रधान मंत्री विंस्टन चर्चिल ने कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के दक्षिण-पूर्वी तट में स्थित प्लेसेंटा खाड़ी में नौसैनिक जहाजों में एक गुप्त बैठक की। दोनों देशों के प्रमुखों ने अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों और युद्ध से संबंधित मुद्दों की एक सीमा के लिए एक निकाय बनाने की संभावना पर चर्चा की। साथ में उन्होंने एक बयान जारी किया जिसे अटलांटिक चार्टर कहा जाने लगा। यह एक संधि नहीं थी, लेकिन केवल एक पुष्टि थी जिसने संयुक्त राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसने ष्अपने देशों की राष्ट्रीय नीतियों में कुछ सामान्य सिद्धांतों को साकार करने की घोषणा की, जिस पर उन्होंने दुनिया के लिए बेहतर भविष्य की अपनी आशाओं को आधारित किया।ष् दिसंबर 1941 में संयुक्त राज्य अमेरिका युद्ध में शामिल हो गया, पहली बार 'संयुक्त राष्ट्र' शब्द राष्ट्रपति रूजवेल्ट द्वारा उन देशों की पहचान करने के लिए तैयार किया गया था, जो धुरी शक्तियों के खिलाफ संबद्ध थे। संयुक्त राष्ट्र अंततः 51 देशों द्वारा अनुसमर्थित होने के बाद 24 अक्टूबर, 1945 को अस्तित्व में आया, जिसमें पांच स्थायी सदस्य (फ्रांस, चीन गणराज्य, सोवियत संघ, ब्रिटेन और अमेरिका) और 46 अन्य हस्ताक्षरकर्ता शामिल थे। महासभा की पहली बैठक 10 जनवरी, 1946 को हुई। संयुक्त राष्ट्र के चार मुख्य लक्ष्यों में शामिल थे,अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करना,अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना और इन सामान्य सिरों की प्राप्ति में राष्ट्रों के कार्यों के सामंजस्य के लिए केंद्र में होना। इसके गठन के समय, संयुक्त राष्ट्र में केवल 51 सदस्य राज्यों, स्वतंत्रता आंदोलनों और बाद के वर्षों में डी-उपनिवेश शामिल थे, इसकी सदस्यता का विस्तार हुआ। वर्तमान में, 193 देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र पिछले 75 वर्षों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का दावा करता है। इसने बड़ी संख्या में वैश्विक मुद्दों जैसे कि स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिलाओं के बीच महिला सशक्तिकरण के समाधान के लिए अपने दायरे का विस्तार किया है। इसके गठन के तुरंत बाद, इसने 1946 में परमाणु हथियारों के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध होने का प्रस्ताव पारित किया। 1948 में, चेचक, मलेरिया, एचआईवी जैसी संचारी रोगों से निपटने के लिए इसने विश्व स्वास्थ्य संगठन बनाया। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन कोरोनोवायरस महामारी से निपटने वाला शीर्ष संगठन है।

1950 में,संयुक्त राष्ट्र ने द्वितीय विश्व युद्ध के कारण विस्थापित हुए लाखों लोगों की देखभाल के लिए शरणार्थियों के लिए उच्चायुक्त बनाया। 1972 में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम बनाया गया था। हाल ही में 2002 में संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र की आपराधिक अदालत की स्थापना की। मगर कई मामलों में संयुक्त राष्ट्र अपने कार्यों को सही तरह नहीं कर पाया उदाहरण के लिए, 1994 में, संगठन रवांडा नरसंहार को रोकने में विफल रहा। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में कांगो गणराज्य में यौन दुराचार का आरोप लगाया गया था, और इसी तरह के आरोप कंबोडिया और हैती से भी आए हैं। 2011 में, दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन 2013 में छिड़े गृहयुद्ध में हुए रक्तपात को समाप्त करने में असफल रहा था। आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों की आवश्यकता है. संयुक्त राष्ट्र एक बड़ी दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है और विडंबना यह है कि इसके इतने महत्वपूर्ण निकाय में केवल 5 स्थायी सदस्य हैं। सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व करती है और इस प्रकार यह दुनिया में शक्ति के बदलते संतुलन के साथ गति में नहीं है। वीटो की शक्ति को एक बड़ी समस्या है क्योंकि पी 5 सदस्य अक्सर उन देशों को पीड़ित करने वाले प्रस्तावों को प्रभावित करते हैं, जिन्हें बढ़ने के लिए एक मंच की आवश्यकता होती है। सदस्य राष्ट्र जो कि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए विश्वसनीयता और क्षमता की वैधता सुनिश्चित करने के लिए एक उपस्थिति होनी चाहिए। इस प्रकार, अर्ध-स्थायी सीटों की एक नई श्रेणी पेचीदा है। यूएनएससी के गठन के समय, बड़ी शक्तियों को परिषद का हिस्सा बनाने के लिए विशेषाधिकार दिए गए थे। यह इसके उचित कामकाज के साथ-साथ राष्ट्र संघ संगठन की विफलता से बचने के लिए आवश्यक था। सुदूर पूर्वी एशिया, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका जैसे क्षेत्रों का परिषद की स्थायी सदस्यता में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं और उभरती विश्व शक्तियों के रूप में जी 4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) जैसे मंचों का उदय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों के बाद जोर दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र का जन्म द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता से हुआ था। इसकी नींव के समय, इसे मुख्य रूप से विश्व शांति बनाए रखने और भावी पीढ़ियों को युद्ध की बुराइयों से बचाने के लक्ष्य के साथ काम सौंपा गया था। अगले 10 साल, जिन्हें सतत विकास के लिए कार्रवाई और वितरण के दशक के रूप में नामित किया गया है, हमारी पीढ़ी के लिए सबसे महत्वपूर्ण होंगे।

कृषक आंदोलन: सरकार की विश्वसनीयता पर संदेह

अपने 22 वर्षों पुराने तथा एन डी ए के संस्थापक सहयोगी रहे अकाली दल के विरोध बावजूद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आनन फानन में संसद के दोनों सदनों में देश के किसानों से संबंधित तीन कृषक अध्यादेश विवादित तरीके से पारित करा दिए गए। नतीजतन अकाली दाल ने न केवल अपने कोटे की खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल को मोदी मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिलवाया बल्कि एन डी ए से समर्थन वापस लेने की घोषणा भी कर डाली। परन्तु सरकार यही कहे जा रही है कि नए कृषि कानून किसानों के जीवन में खुशहाली के नए रास्ते खोलेंगे। सरकार अध्यादेश रुपी इस कानून को किसानों के हित में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम बता रही है। परन्तु देश का किसान इन नए कृषि कानूनों को न केवल किसान विरोधी बता रहा है बल्कि इसे किसानों के लिए मौत का फरमान की संज्ञा भी दे रहा है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से यह अनुरोध भी किया है कि वे इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। इसी कानून के विरोध में गत 25 सितंबर को देश के कई बड़े राज्यों में किसानों ने व्यापक आंदोलन किये। रेल व सड़कें जाम की गई। बाजार बंद कराए गए। देश के सौ से अधिक श्रमिक संगठनों के आवाह्न पर अन्नदाता सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए। जब से नये कृषि विधेयक की चर्चा छिड़ी थी उसी समय से किसानों द्वारा इसका विरोध देश के अनेक भागों में शुरू कर दिया गया था। किसानों के तेवरों को देखकर यह अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि किसान आंदोलन की यह आग शायद अभी थमने वाली भी नहीं है। केंद्र सरकार ने किसानों के विरोध के प्रत्युत्तर में किसानों की समस्याओं व उनकी शिकायतों का वाजिब हल निकालने का आश्वासन देने के बजाए यह कहना शुरू किया कि विपक्षी पार्टियाँ किसानों को गुमराह कर रही हैं। किसान उनके द्वारा कृषक कानून के संबंध में फैलाये जा रहे झूठ व भ्रांतियों के बहकावे में आकर इस कानून का विरोध कर रहे हैं। सरकार ने लगभग पूरे देश के समाचार पत्रों में इसी आशय का संपूर्ण पृष्ठ का एक विज्ञापन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र के साथ प्रकाशित कराया जिसमें किसानों व विपक्षी दलों की शंकाओं को 6 बिंदुओं में श्झूठश् शीर्षक के साथ काली पृष्ठभूमि में प्रकाशित किया गया तथा ठीक इसका सामने के भाग में सच शीर्षक से इनका सकारात्मक पक्ष या यूँ कहें कि सरकारी पक्ष रखा गया है। इस पूरे पृष्ठ के विज्ञापन का मुख्य शीर्षक है किसानों,झूठ से सावधान -कृषि विधेयक ने किया है तरक्की का प्रावधान। स्वतंत्र किसान-सशक्त किसान नारे के साथ जारी इस विज्ञापन के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक कथन भी प्रकाशित है जिसमें मोदी जी फरमाते हैं कि-21 वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं,खुलकर खेती करेगा।21 वीं सदी का किसान जहाँ मन किया वहाँ फसल बेचेगा और जहाँ ज्यादा पैसे मिले वहीँ पर फसल बेचेगा। उपरोक्त विज्ञापन सामग्री भारत सरकार के अर्थात जनता के करों के सैकड़ों करोड़ खर्च कर 23 सितंबर के समाचार पत्रों में तब प्रकाशित करवाई गयी जबकि देश की अधिकांश किसान यूनियन्स सरकार के इस नए कृषक कानून को किसान विरोधी काला कानून बताते हुए इसे वापस लिए जाने की मांग को लेकर 25 सितंबर को भारत बंद का आह्वान कर चुकी थीं। सरकार ने केवल विज्ञापन ही प्रकाशित प्रसारित नहीं कराए बल्कि अनेक प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों,कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्य मंत्रियों व अपनी विचारधारा के सैकड़ों स्तंभकारों व लेखकों से इस विधेयक के पक्ष में तथा आंदोलनकारियों व उनके समर्थकों के विरोध में स्तम्भ व आलेख भी प्रकाशित करवाए। स्वयं प्रधानमंत्री ने इस कानून के पक्ष में मोर्चा संभाला और कई जगह इस विधेयक का पक्ष रखते सुने गए। जाहिर है यह सारी की सारी कवायद सिर्फ इसीलिये थी ताकि या तो किसान अपना आंदोलन वापस ले लें या यह आंदोलन कमजोर पड़ जाए अथवा देश की किसान शक्ति विभाजित हो जाए। 21 सितंबर को सरकार की ओर से ऐसा ही एक प्रयास यह भी किया गया कि सरकार ने रबी की छह फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की घोषणा भी कर दी। जबकि रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा आम तौर पर सितंबर के बाद ही होती रही है। परन्तु किसानों के 25 सितंबर के भारत बंद व देश के विभिन्न भागों में हो रहे किसान आन्दोलनों को शांत करने के मकसद से सरकार ने संसद सत्र के दौरान ही इसकी भी घोषणा कर दी। अब किसानों के आंदोलन के बावजूद सरकार ने अपना दूसरा अभियान चलाने का फैसला किया है जिसके तहत आगामी 15 दिनों तक भाजपा कार्यकर्ता किसानों से व्यक्तिगत जनसंपर्क कर उन्हें नए कानून के सकारात्मक पहलुओं का ज्ञान देंगे तथा उनकी शिकायतों को भी सुनेंगे।उपरोक्त पूरे प्रकरण में काबिल-ए-गौर बात यह है कि जिस प्रकार सरकार विज्ञापन व आलेखों आदि के माध्यम से किसानों को समझाने पर इतनी ऊर्जा खर्च कर रही थी,देश के किसानों को नासमझ व दूसरे राजनैतिक दलों के बहकावे में आया हुआ बता रही थी इस कवायद के बजाए वह अपनी ही सरकार के प्रमुख सहयोगी अकाली दल व उनकी खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल को यह बात क्यों नहीं समझा सकी कि यह कानून किसानों की तकदीर बदलने वाला है ? बादल परिवार केवल राजनैतिक परिवार ही नहीं बल्कि इस परिवार की गिनती पंजाब के चंद गिने चुने बड़े व संपन्न किसानों में भी होती है। आम गरीब किसानों की तरह यह परिवार कम पढ़ा लिखा या अनपढ़ परिवार नहीं जिसे कोई राजनैतिक दल या नेता झूठ बोलकर गुमराह कर दे ? यदि इस परिवार को ही इस किसान हितकारी कानून के फायदे बताने का जिम्मा दिया गया होता तो शायद पंजाब हरियाणा में आंदोलन की तीव्रता इस कद्र न होती जो 25 सितंबर को देखने को मिली ? खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल का मोदी मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देना,अकाली दल का एन डी ए से नाता तोड़ना और किसानों के साथ उनका खड़ा होना ही इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि यह कानून किसानों के हित में कम अहित में ज्यादा नजर आ रहा है। अच्छा होता कि किसानों को विज्ञापनों के माध्यम से संबोधित करने व विपक्षी दलों पर इस आंदोलन की भड़ास निकालने के बजाए अपने ही सहयोगी दलों व मंत्रियों तथा देश किसान संगठनों को विश्वास में लिया जाता। ऐसा प्रतीत होता है कि देश को मोदी सरकार की विश्वसनीयता के प्रति संदेह बढ़ता जा रहा है। नोट बंदी,जी एस टी,लॉक डाउन की घोर असफलता,अनियंत्रित मंहगाई,बढ़ती बेरोजगारी,युवाओं व किसानों में पनपता असुरक्षा का वातावरण,कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति,चौपट हो चुके उद्योग धंधे,तेल से लेकर खाद्यान्न तक में आग लगाती मंहगाई, सीमाओं पर बिगड़ते माहौल जैसी अनेक बातों ने निश्चित रूप से सरकार के वादों,नीतियों व कथनों के प्रति विश्वास कम और सरकार की विश्वसनीयता पर संदेह अधिक खड़ा कर दिया है।

सार समाचार .....

कोरालेस पुंटाकाना चैम्पियनशिप : लाहिड़ी शीर्ष-10 में पहुंचे

पुंटा काना एजेंसी। लाहिड़ी ने शनिवार को 64 का स्कोर कर सातवां स्थान हासिल किया। चीन के झिनजुन झांग चार अंडर 68 के स्कोर के साथ कुल स्कोर बेहतर होने के चलते पहले स्थान पर रहे। उन्होंने सात बर्डी मारीं।

इस टूर की शुरुआत ट्रिपल बोगी और बोगी के साथ करने वाले लाहिड़ी ने पहले दिन 69 का स्कोर किया और दूसरे दिन 72 का स्कोर किया। तीसरे दिन वो बेहतरीन फॉर्म में दिखे।

लाहिड़ी ने कहा, यह शानदार था। क्लीन कार्ड रहना मेरे लिए अच्छा रहा। मैंने बीते दो दिनों में काफी सारी गलतियां कीं लेकिन मेरा जो स्कोर है मैं उससे बेहतर खेल रहा था। इसलिए मैं जानता था कि मुझे थोड़ा आगे आना होगा। मैंने आज गेंद को अच्छा हिट किया।

गावस्कर के समर्थन में आए फारुख इंजीनियर

नईदिल्ली एजेंसी। भारत के पूर्व विकेटकीपर फारुख इंजिनियर पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के समर्थन में उतरे है जिन्हें हाल ही में विराट कोहली की फॉर्म पर चर्चा करते हुए उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा का नाम लेने पर लोगों से आलोचना झेलनी पड़ी थी। ट्विटर पर यूजर्स ने गावस्कर पर खूब टिप्पिणयां की थीं। अनुष्का शर्मा ने भी एक पोस्ट कर गावस्कर से सावल किए थे। इंजिनियर ने कहा, हम भारतीयों में सेंस ऑफ ह्यूमर की कमी है। अगर सुनील ने विराट कोहली और अनुष्का ने उनके बारे में कुछ कहा है तो वह मजाकिया लहजे में होगा न कि बुरा या अभ्रद।

उन्होंने कहा, मैं गावस्कर को काफी अच्छे से जानता हूं इसलिए कह सकता हूं कि उन्होंने कुछ कहा होगा तो मजाकिया लहजे में कहा होगा। मेरे मामले में भी लोगों ने इसे गंभीरता से ले लिया था और अनुष्का ने बयान जारी किया था। इंजिनियर ने भी 2019 विश्व कप के दौरान अपने आप को इसी तरह के विवादों में पाया था। गावस्कर ने भी इस मामले पर सफाई दी थी और कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

आईसीसी के कई कर्मचारी निकले कोरोना संक्रमित, आईपीएल पर कोई प्रभाव नहीं

नईदिल्ली एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कई कर्मचारियों के कोविड-19 टेस्ट सकारात्मक आये हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुसार दुबई में स्थित आईसीसी मुख्यालय के सभी सकारात्मक कर्मचारी इस समय अनिवार्य रूप से आइसोलेशन में हैं। हालांकि, कोविड-19 के इन मामलों से यूएई में चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आईपीएल यूएई के तीन स्थानों दुबई, शारजाह और अबू धाबी में खेला जा रहा है। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया, आईसीसी के कई कर्मचारियों का कोविड-19 टेस्ट सकारात्मक आया है। प्रभावित कर्मचारी स्थानीय प्रोटोकॉल के अनुसार आइसोलेशन में हैं और जो लोग उनके निकट संपर्क में हैं, उन्हें भी खुद को अलग करने के लिए कहा गया है। हम अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। अधिकारी ने आगे बताया, कार्यालय की गहराई से सफाई की गई है। अब लोग कुछ दिनों के लिए घर से काम करेंगे। यह कुछ ऐसा था जिसके लिए हम पहले से तैयार थे, इसलिए इसे बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया जा रहा है और यह आईपीएल को बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करेगा।

राजस्थान रॉयल्स के सामने होगी किंग्स इलेवन पंजाब की चुनौती

शारजाह एजेंसी। आईपीएल के 13वें सीजन का 9वां मैच राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच आज शारजाह में खेला जाएगा। पिछले 5 मुकाबलों में पंजाब ने राजस्थान को 4 बार शिकस्त दी है। वहीं 2014 में शारजाह में ही दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, जिसमें पंजाब ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया था। वहीं, आज के मुकाबले में इंग्लैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज़ जोस बटलर अपना पहला मैच खेलेंगे। बटलर चरंटीन नियम के कारण चेन्नई के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं ले सके थे। रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मैदान पर वापसी करने को लेकर बटलर काफी उत्साहित हैं।

किंग्स इलेवन पंजाब की प्लेइंग प्लेइंग इलेवन- केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), क्रिस गेल, मयंक अग्रवाल, करुण नायर, सरफराज खान, ग्लेन मैक्सवेल, जिम्मी नीशम, कृष्णप्पा गौतम, शेल्डन कॉटरेल, रवि बिश्नोई, मोहम्मद शमी। राजस्थान रॉयल्स की प्लेइंग प्लेइंग इलेवन- यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, स्टीव स्मिथ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), रॉबिन उथप्पा, राहुल तेवतिया, टॉम करन, रियान पराग, श्रेयस गोपाल, जोफ्रा आर्चर, जयदेव उनदकट।

परिवार के सदस्य को खोने के बावजूद मैच खेले शेन वॉटसन, फैन्स ने की दिल खोलकर तारीफ

एक यूट्यूब इंटरे शन द डेब्रीफ में वॉटसन ने बताया कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दो दिन पहले उनकी नानी रिची का निधन हो गया था। जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार को घर वापस भेज दिया और इस मुश्किल समय में वहां मौजूद नहीं होने के लिए माफी मांगी। शेन वॉटसन ने कहा कि मैं अपने परिवार को घर वापस भेज रहा हूं।

दुबई एजेंसी।

तीन बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज शेन वॉटसन ने खुलासा करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी नानी के निधन के बावजूद शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेला था। आईपीएल के इस सीजन में वॉटसन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और चेन्नई के लिए उन्होंने तीन मैचों में कुल 51 रन ही बनाए हैं। नानी के निधन के बावजूद भी शेन वॉटसन टीम के लिए अपनी जिम्मेदारी को नहीं भूले और अगले ही दिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान में उतरे जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोग उन्हें वॉरियर तक कह रहे हैं। एक यूट्यूब इंटरेक्शन द डेब्रीफ में वॉटसन ने बताया कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दो दिन पहले उनकी नानी रिची का निधन हो गया था। जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार को घर वापस भेज दिया और इस मुश्किल समय में वहां मौजूद नहीं होने के लिए माफी मांगी। शेन वॉटसन ने कहा कि मैं अपने परिवार को घर वापस भेज रहा हूं। मुझे पता है कि मेरी मां के लिए उनकी मां क्या मायने रखती थी। मुझे खेद है कि मैं अभी उनके पास नहीं जा सकता। शेन वॉटसन के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर लोग उन्हें असली खिलाड़ी और एक योद्धा कह रहे हैं। उनके फैन्स उनके सम्मान में पोस्ट कर रहे हैं। शेन वॉटसन का इस आईपील सीजन में प्रदर्शन अब तक कुछ खास नहीं रहा है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह चार रन पर आउट हो गए और उसके पहले के दो मैचों में उन्होंने 14 और 33 रन बनाए। टीम भी पहले मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद अगले दो मैच हार चुकी है जिसने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले मशहूर कमेंटेटर डीन जोन्स के निधन पर भी वॉटसन काफी इमोशनल हुए थे और उस वक्त शेन वॉटसन ने कहा था कि मुझे विश्वास नहीं होता कि ऐसा शानदार इंसान हमारे साथ नहीं है।

मैंने पिछले कुछ वर्षों में पावर हिटिंग का जमकर अभ्यास किया है : शुभमन गिल

अबू धाबी , एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेहतरीन 70 रनों की नाबाद आतिशी अर्धशतकीय पारी खेलने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में पावर हिटिंग का जमकर अभ्यास किया है।

हैदराबाद द्वारा दिये गए 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने गिल के बेहतरीन 70 रनों की पारी की बदौलत टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। गिल ने अपनी पारी में दो छक्के और पांच चौके लगाए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इयोन मोर्गन के साथ चौथे विकेट के लिए गिल ने 92 रन की नाबाद पारी खेली। मोर्गन ने 29 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाए जिसमें दो छक्के और तीन चौके शामिल थे। मैच के बाद गिल ने कहा,मुझे लगता है कि गेंद ज्यादा स्पिन नहीं कर रही थी और गेंद को हिट करना आसान था। मैंने पिछले कुछ वर्षों में पावर हिटिंग का अभ्यास किया है। मुझे लगता है कि हमारे लिए जीतना महत्वपूर्ण था। हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और हमें इसे आगे भी बनाये रखना होगा। मोर्गन के साथ साझेदारी पर गिल ने कहा कि हमारी कोई लंबी बातचीत नहीं हुई। हम सिर्फ यह अनुमान लगाने की कोशिश कर रहे थे कि गेंदबाज क्या कर सकते हैं। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं अपनी टीम के लिए खेलूं।

बता दें कि केकेआर ने हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 के आठवें मैच में सात विकेट से जीत दर्ज की। शुभमन गिल 70 और इयोन मोर्गन 42 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 142 रन बनाए थे, जवाब में केकेआर की टीम ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 145 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

केकेआर के गेंदबाजों ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया और इसके बाद शुभमन और मोर्गन ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इस जीत के साथ केकेआर ने इस सीजन में अपने नाम पहली जीत दर्ज कर ली है, जबकि हैदराबाद की यह लगातार दूसरी हार है। शुभमन ने 62 गेंद पर 70 रनों की जबकि मोर्गन ने 29 गेंदों पर 42 रनों की पारी खेली।

सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स को ट्विटर पर किया अनफॉलो

दुबई , एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना इस बार आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद लगातार खबरों में हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की हार के बाद, रैना को टीम में वापस लाने की मांग ट्विटर पर ट्रेंड करने लगती है। रैना ने शनिवार को, चेन्नई सुपर किंग्स को ट्विटर पर अनफॉलो कर दिया। रैना इस बार आईपीएल शुरू होने से ठीक पहले निजी वजहों से वापस लौट आए थे। लेकिन बाद में चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने रैना के फैसले पर नाराजगी जताई थी।

आखिर क्यों किया अनफॉलो?

शुक्रवार को चेन्नई की लगातार दूसरी हार के बाद, सोशल मीडिया पर रैना की वापसी की मांग दुबारा ट्रेंड करने लगी। खबरों के मुताबिक, इसी सोशल मीडिया कैम्पेनिंग से परेशान होकर रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स को ट्विटर पर अनफॉलो कर दिया। टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के बाद कहा था कि रैना और रायडू के न होने से उनकी टीम बिखर गई है। बाद में रैना की वापसी को लेकर चेन्नई के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि रैना की वापसी मुश्किल लग रही है। उन्होंने कहा, देखिए इस वक्त हम रैना को वापस लाने पर विचार नहीं कर सकते। वो खुद वापस गए थे। हमलोग उनके फैसले का सम्मान करते हैं। क्रिकेट में हार और जीत लगी रहती है। हमलोग जरूर वापसी करेंगे।

आईसीसी के दुबई हेडक्वॉर्टर में कई कर्मचारी संक्रमित

दुबई , एजेंसी। आईसीसी के दुबई स्थित हेडक्वॉर्टर के कई सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अभी यह पता नहीं चल सका है कि कितने सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव है। संक्रमित पाए गए सभी सदस्यों को यूएई के हेल्थ प्रोटोकॉल के तहत क्वारैंटाइन कर दिया गया है। हालांकि यूएई के तीन शहरों अबुधाबी, दुबई और शारजाह में 19 सितंबर से चल रहे आईपीएल के मैचों पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आईपीएल-13 के अब तक आठ मैच हो चुके हैं।

पॉजिटिव पाए गए लोगों से संपर्क में आए लोगों को भी, खुद को आईसोलेट करने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार यूएई के तीन शहर दुबई, शारजाह और अबुधाबी में चल रही आईपीएल पर फर्क नहीं पड़ेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स के दो खिलाड़ी सहित13 स्टाफ भी हो चुके हैं कोरोना संक्रमित

चेन्नई सुपर किंग्स के दो खिलाड़ी दीपक चाहर और रितुराज गायकवाड़ सहित 13 स्टाफ कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि सभी का कोरोना रिपोर्ट अब निगेटिव आ चुका है। सभी बायो-सिक्योर माहौल में इंट्री कर चुके हैं। दीपक और रितुराज आईपीएल में मैच खेल रहे हैं।

आईपीएल खेल चुके शाहिद अफरीदी बोले- आईपीएल क्रिकेट दुनिया का बड़ा ब्रांड

नई दिल्ली , एजेंसी।

आईपीएल-13 यूएई में19 सितंबर से चल रही है। शनिवार तक इसके आठ मैच हो चुके हैं।10 नवंबर को इसका फाइनल खेला जाएगा। आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज, साउथ अफ्रीका सहित टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली सभी देशों के खिलाड़ी इसमें खेलते हैं। आईपीएल के पहले सीजन (2008) में 11 पाकिस्तानी क्रिकेटर भी खेले थे। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान के प्लेयर्स का इस टूर्नामेंट में खेलने पर बैन लगा हुआ है। 2009 में श्रीलंका टीम पर आतंकी हमले और 26/11 की घटना के बाद ये फैसला लिया गया था कि कोई भी पाक क्रिकेटर आईपीएल में नहीं खेलेगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर मौका गवां रहे हैं

आईपीएल के पहले सीजन में खेल चुके पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने अरब समाचार को दिए इंटरव्यू में कहा- इंडियन प्रीमियर लीग वर्ल्ड क्रिकेट का सबसे बड़ा ब्रांड है। इसमें पाकिस्तानी क्रिकेटर नहीं खेल कर बड़ा मौका गंवा रहे हैं। उन्होंने कहामैं जानता हूं कि वर्ल्ड क्रिकेट में आईपीएल एक बड़ा ब्रांड है। इसमें खेलना बाबर आजम और अन्य पाकिस्तानी क्रिकेटरों के लिए गौरव की बात होगी। मुझे लगता है कि पाकिस्तानी क्रिकेटर इसमें न खेलकर बहुत बड़ा मौका गवां रहे हैं।

सनराइजर्स के खिलाफ कोलकाता ने उतारे पांच युवा खिलाड़ी

दुबई | एजेंसी।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। जीत के हीरो रहे शुभमन गिल ने, 70 रन की नाबाद पारी खेली। इस मैच में शुभमन गिल समेत पांच यंगस्टर, टीम के प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे। कोलकाता की लगभग एकतरफा जीत के बाद, केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर का एक ट्वीट आया। जिसपर टीम के मालिक शाहरुख खान ने रिप्लाई किया, जिसके बाद फैंस ने भी उसपर अपनी प्रतिक्रिया दी। सबसे पहले केकेआर के सीईओ वेंकी ने ट्विटर पर लिखा, ÷ 2018 के अंडर-19 विनिंग टीम से, हमने जिन तीन युवा खिलाड़ियों को ऑक्शन में लिया था,उन्हें पहली बार एक साथ खेलता देख बहुत खुश हुआ। यहां केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर, शुभमन गिल, शिवम् मावी और कमलेश नागरकोटी के बारे में बात कर रहे हैं। ए तीनों खिलाड़ी 2018 के वर्ल्ड कप में, भारतीय टीम का हिस्सा थे। हैदराबाद के खिलाफ गिल ने 62 गेंदों पर 70 रन की नाबाद पारी खेली थी। नगरकोटी पिछले मैच का हिस्सा नहीं थे। जबकि हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को खेले गए मैच में, उन्होंने 2 ओवर में 17 रन दिए और मावी ने 2 ओवर में 15 रन दिए। हालांकि, इन दोनों युवा गेंदबाजों को कोई विकेट नहीं मिला। वेंकी के ट्वीट पर केकेआर के मालिक शाहरुख खान ने ट्वीट कर लिखा, ÷बहुत खुशी हुई! इन युवा खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा खेला और जीत हासिल हुई। इस दौरान शाहरुख ने इन तीनों खिलाड़ियों समेत, नीतीश राना और वरुण चक्रवर्ती का भी केकेआर में वेलकम किया।

विराट और रोहित के लिए जानिए क्या साबित हो सकता है सबसे बड़ा सिरदर्द

दुबई | एजेंसी।

विराट कोहली की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मौजूदा चैम्पियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सोमवार को खेले जाने वाले मुकाबले में अपनी तेज गेंदबाजी की कमियों को दूर करना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गयी और टीम को 97 रन की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। कप्तान कोहली भी इन मैचों में बड़ी पारी (14 और एक रन) खेलने में नाकाम रहे और वह इस मैच में मैदान में कुछ समय बिताना चाहेंगे। सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत शानदार अर्धशतक के साथ की, लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ वह ज्यादा कुछ नहीं कर सके। इस युवा बल्लेबाज की कोशिश निरंतरता बनाए रखने की होगी।

ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच अपनी पारी को मैच जीताऊ प्रदर्शनों में बदलाना चाहेंगे तो वही दिग्गज एबी डिविलियर्स शानदार लय में दिख रहे है। टीम का निचला क्रम उतना मजबूत नहीं है और उम्मीद है कि डिविलियर्स अखिरी के ओवरों में बड़े शॉट लगाकर इस कमी को पूरा करेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दो मैचों में बाहर बैठने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर क्रिस मौरिस चयन के लिए उपलब्ध होंगे या नही।

गेंदबाजी में स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे है तो तेज गेंदबाजी में नवदीप सैनी के अलावा बाकी गेंदबाज रन रोकने में सफल नहीं रहे है। डेल स्टेन और उमेश यादव अब तक महंगे साबित हुए हैं। दक्षिण अफ्रीकी का इस महान खिलाड़ी को अंतिम 11 में जगह मिलने की उम्मीद है लेकिन यादव की जगह मोहम्मद सिराज को उतारा जा सकता है। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली मध्यक्रम के लिए शानदार विकल्प है, लेकिन जोश फिलिप के नियमित रूप से विकेटकीपिंग करने के कारण वह डेल स्टेन की जगह ही टीम में शामिल हो सकते है।

भारत के सीमित ओवरों के उपकप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली मुंबई इंडियन्स ने पहले मैच में हार के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मैच में रोहित का लय में आना और सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन बल्लेबाजी टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। टीम अंतिम 11 में जो एक बदलाव कर सकती है वह सौरव तिवारी की जगह इशान किशन को मौका मिल सकता है।

गेंदबाजी में भी हार्दिक पंड्या और कीरोन पोलार्ड अच्छा विकल्प है, लेकिन कोच महेला जयवर्धने ने साफ कर दिया है कि लंबे समय के बाद वापसी कर रहे हार्दिक से गेंदबाजी करा कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहते है। चेन्नई के खिलाफ औसत प्रदर्शन करने वाले जसप्रीत बुमराह केकेआर के खिलाफ शानदार वापसी से टीम को राहत मिली है। जेम्स पैटिंसन और ट्रेंट बोल्ट भी लय में है।

टीमें इस प्रकार हैं-

आरसीबी- आरोन फिंच, देवदत्त पडीक्कल, पार्थिव पटेल, विराट कोहली (कप्तान), एबी डिविलियर्स, गुरकीरत मान, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, युजवेंद्र चहल, एडम जाम्पा, इसुरू उडाना, मोईन अली, जोश फिलीप, पवन नेगी, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव ।

मुंबई इंडियंस- रोहित शर्मा (कप्तान), आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकूल रॉय, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, दिग्विजय देशमुख, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, जेम्स पेटिसन, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, मिशेल मैक्लीनागन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, प्रिंस बलवंत राय, क्विंटोन डि कॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट।

स्टार किड होने का फायदा मिलता है राघव जुयाल

एक्टर-डांसर और टीवी होस्ट राघव जुयाल की इच्छा एक बेहतरीन रोमांटिक भूमिका करने की है, लेकिन उनका कहना है कि वह एक बड़े निर्माता या निर्देशक के बेटे नहीं हैं और ना ही उनकी बॉलीवुड की पृष्ठभूमि है। डांस शो डांस इंडिया डांस 3 में अपने प्रदर्शन से मशहूर हुए राघव को एबीसीडी 2 और स्ट्रीट डांसर 3 डी जैसी डांस आधारित फिल्मों में देखा गया। राघव ने बताया, मैं अभय 2 में एक विलेन का किरदार निभा रहा हूं। यह एक ऐसी चीज है जो मैं एक बार आजमाना चाहता था और यह अचानक हुआ। अब मैं रोमांटिक किरदार करना चाहता हूं - जैसे रॉकस्टार और तमाशा। मैं ऑडिशन दूंगा। यह सब समय की बात है क्योंकि मैं किसी निर्माता या निर्देशक का बेटा नहीं हूं और न ही मैं बॉलीवुड से हूं कि मैं कहूं कि मैं यह रोल करना चाहता हूं और वह मुझे मिल जाएगा।
उन्होंने आगे कहा, जाहिर है, स्टार किड होने का फायदा मिलता है। वह कहते हैं कि वह बहुत सारे ऑडिशन देते हैं, इससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा, लेकिन आप इस तथ्य को झुठला नहीं सकते कि रणबीर कपूर एक शानदार अभिनेता हैं। मुझे पता है कि उनकी बॉलीवुड पृष्ठभूमि है, लेकिन नेपोटिज्म की बहस के बाद भी इस तथ्य को दरकिनार नहीं कर सकते कि वह सबसे शानदार अभिनेताओं में से एक हैं।
अभय 2 हाल ही में रिलीज हुई और इसके सभी एपिसोड 29 सितंबर को जी5 पर एक साथ उपलब्ध होंगे।

ऋतिक रोशन से मिली प्रशंसा पर अमोल पाराशर ने व्यक्त की अपनी खुशी

बॉलीवुड अभिनेता ऋ तिक रोशन ने अमोल पाराशर की सराहना की, जिससे अभिनेता गदगद महसूस कर रहे हैं। डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे अभिनेता ने एक हालिया इंटरव्यू में सुपरस्टार ऋ तिक रोशन से सराहना प्राप्त करने पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है।
उन्होंने साझा किया, यह बहुत प्यारा था। उन्होंने इसे इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है और हम सभी को टैग किया है। जब मुझे यह नोटिफिकेशन मिला, तो मुझे बहुत खुशी हुई। यह एक बात होती है जब आप किसी को जानते हैं और वास्तविक जीवन में उनसे मिले हैं। लेकिन उन्होंने फिल्म देखी, उन्होंने हमारे नाम ढूंढे और हम सभी को टैग किया। उन्होंने हम सभी को टैग करने के लिए एक्सट्रा एफर्ट लगाए हैं। यह उत्साहजनक है। यह देखकर अच्छा लगता है कि कोई आपको और आपके काम को सरहाने के लिए अपनी जिन्दगी के 2 सेकंड आपके लिए निकालता है। मैंने अपने माता-पिता को स्क्रीनशॉट भेजा और वे बेहद खुश हुए। प्रशंसा चाहे किसी भी रूप में यह सभी को प्रिय होती है लेकिन जब किसी सुपरस्टार से यह मिलती है तो प्रभाव बहुत बड़ा होता है। डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे डॉली और उसकी कजिन बहन की एक सशक्त गाथा है, जो पूर्व धारणाओं से गड़ी इस दुनिया में भावनाओं, स्वीकृति और संकल्प के साथ जीते है। निस्संदेह, हार्डवर्क, टैलेंट और उल्लेखनीय प्रोजेक्ट्स की सराहना करना हमेशा ऋतिक का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। यही वजह है कि उनका सोशल मीडिया एकाउंट प्रतिभा के लिए प्रोत्साहन और प्रशंसा का एक प्रमाण है।

फोन बूथ में मुझे कुछ अलग करने को मिला : ईशान खट्टर

ईशान खट्टर फिल्म फोन बूथ के साथ कॉमेडी में हाथ आजमाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं और इसके लिए वह बेहद रोमांचित भी हैं। उन्होंने बताया, बेशक मैं बहुत ज्यादा रोमांचित हूं और साथ ही सिद्धांत (चतुर्वेदी) के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित भी हूं, जो कि मेरे दोस्त हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट कुछ ऐसी थी, जिसके चलते मैंने इसके लिए हांमी भर दी। फोन बूथ एक हॉरर कॉमेडी है, जिसमें कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान जैसे कलाकार हैं।

वह आगे फिल्म को लेकर कहते हैं, यह एक लाफ रॉइट (हंसाने-गुदगुदाने वाली, मजेदार) फिल्म है। हॉरर कॉमेडी पर पहले भी फिल्में बनी हैं, लेकिन यह कुछ ज्यादा ही मजेदार फिल्म है। फिल्म में आपको बिल्कुल भी बोरियत नहीं होगी, कहानी में मोड़ आते रहेंगे। इसकी कहानी बेहद दिलचस्प है और यह शुरू से लेकर अंत तक आपको गुदगुदाती रहेगी।
अभिनेता ने आगे कहा, यह पहली दफा है, जब मैं कॉमेडी शैली में काम कर रहा हूं और मैं इसलिए उत्साहित हूं क्योंकि मुझे ऐसा पहले कभी करने का मौका नहीं मिला है। उन्होंने आगे कहा, इससे मुझे खुद को एक्सप्लोर करने का मौका मिलेगा। एक कलाकार के तौर पर, पहले से कुछ अलग करूंगा। मुझे ऐसी ही किसी चीज की तलाश थी। गंभीर भूमिकाएं मैं निभा चुका हूं, अब कुछ नया करने की बारी है।

हमें फिटनेस का आदी होना चाहिए उर्वशी रौतेला

अभिनेत्री और पूर्व ब्यूटी चेन उर्वशी रौतेला का कहना है कि शराब, ड्रग्स या जुए के जरिए थोड़े समय का मजा या खुशी लेने की बजाय लोगों को अपना समय उन चीजों में देना चाहिए जो स्थायी खुशी देती हैं। उर्वशी ने कहा, हम खुद को उन्हीं चीजों के लिए प्रेरित करते हैं जो हम बनना चाहते हैं। हम अपने विचारों के अधीन होते हैं। यदि हम अपने विचार नहीं बदल सकते हैं तो हम कुछ नहीं बदल सकते हैं। इसीलिए मेरा मानना है कि हम सभी को फिटनेस का आदी होना चाहिए। उर्वशी मानती हैं कि फिटनेस और करुणा दो ऐसी चीजें हैं जो स्थायी खुशी ला सकती हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि करुणा और फिटनेस वो चीजें हैं, जिनको हम अपनी जिंदगी में शामिल करें तो हमारे जीवन में तुरंत खुशी दस्तक देती है और यह लंबे समय तक हमारी जिंदगी में रहती है। मैं अल्कोहल, ड्रग्स या जुआ जैसे थोड़े समय की खुशी देने की बात नहीं कर रही हूं। मैं इस बात पर गहरा भरोसा करती हूं कि दयालुता-करुणा सच्ची और स्थायी खुशी लाती है।

नीना गुप्ता बोलीं- बगैर शादी के आपको समाज में इज्जत नहीं मिलती है

फिल्मों की टैलेंटेड ऐक्ट्रेस नीना गुप्ता लंबे समय तक बड़े पर्दे से गायब रही थीं लेकिन पिछले कुछ सालों में उन्होंने शानदार वापसी की है। नीना अब केवल मां वाले किरदारों में नहीं बल्कि अलग-अलग तरह के किरदार निभा रही हैं। उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल की ग्लैमरस तस्वीरें भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल में नीना गुप्ता ने टाइम्स ऑफ इंडिया डॉट कॉम के विकी लालवानी से अपने करियर, पर्सनल लाइफ और बेटी मसाबा के बारे में खुलकर बात की। नीना गुप्ता एक लंबे समय तक फिल्मों से गायब रहीं। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उस समय मेरी उम्र की महिला के लिए रोल ही नहीं थे। मुझे लगता है कि मैंने फिल्म साथ साथ में कॉमिक रोल करके लीड रोल के लिए अपने दरवाजे ही बंद कर लिए। फिल्मों में आपको काफी प्लानिंग के हिसाब से चलना होता है। बाद में मुझे निगेटिव किरदार मिलने लगे। इसके बाद मुझे अच्छे रोल मिलने बंद हो गए लेकिन किस्मत से मुझे बधाई हो जैसी बेहतरीन फिल्म मिल गई। नीना गुप्ता का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनकी पर्सनल लाइफ के कारण उन्हें काफी टाइपकास्ट किया गया। उन्होंने कहा, हमारे यहां आपकी इमेज के हिसाब से आपको रोल मिलते हैं। ये बहुत अजीब है क्योंकि अगर इस हिसाब से देखें तो एक डॉक्टर का रोल निभाने के लिए डॉक्टर को बुलाना चाहिए या एक वकील का रोल वकील से ही करवाया जाना चाहिए। एक ऐक्टर हर तरह के किरदार निभा सकता है इसलिए आखिर क्यों किसी को टाइपकास्ट किया जाए। हालांकि अब यह सब धीरे-धीरे बदल रहा है।

सोशल मीडिया पर नीना गुप्ता अपनी ग्लैमरस इमेज के लिए जानी जाती हैं जबकि फिल्मों में वह इसके बिल्कुल उलट नजर आती हैं। इस बारे में वह कहती हैं, मैं जैसी रीयल लाइफ में हूं वैसी ही सोशल मीडिया पर नजर आती हूं। जैसे मैं घर पर हमेशा शॉर्ट्स में रहती हूं। शायद पहले लोग मुझे नोटिस नहीं कर रहे थे। और फिर में एक ऐक्टर हूं तो मैं एक गांव की महिला से लेकर एक ग्लैमरस लेडी का भी किरदार निभा सकती हूं। ऊपर वाले में मुझे ऐसी बॉडी और चेहरा दिया है कि मैं हर तरह के किरदार निभा सकती हूं। नीना और मसाबा ने एक मैगजीन के लिए ये फोटोशूट करवाया है। इन फोटोज को सितंबर के इशू में रिलीज किया जाएगा। इसकी एक तस्वीर में नीना और मसाबा दोनों को वाइट क्लोद्स में देखा जा सकता है। नीना ने ओवर साइज्ड वाइट बटन अप शर्ट पहनी थी, जिसे उन्होंने जींस के साथ मैच किया था। नीना के मेकअप को न्यूड टोन रखा गया था और उनके बालों को लाइट वेवी टच दिया गया था। मसाबा ने अपने लुक में ग्लैमर टच ऐड करते हुए क्लासिक वाइट शर्ट को श्रग की तरह पहना था। उन्होंने इसकी स्लीव्स को हल्का सा फोल्ड किया था और फ्रंट बटन्स ओपन रखे थे। इसके साथ मसाबा ने स्किन कलर का ट्यूब टॉप पहना था। इसे उन्होंने लाइट ब्लू कलर की हाई वेस्ट जींस के साथ मैच किया था। उन्होंने गले में लाइट वेट चेन भी पहनी थी।

कॉमेडी कपल के लिए श्वेता ने खुद किया अपना मेकअप

अभिनेत्री श्वेता बासु प्रसाद ने फिल्म कॉमेडी कपल के लिए खुद अपना मेकअप किया है और उन्हें यह पूरी प्रक्रिया पेंटिंग के जैसी लगी। श्वेता ने कहा, मैं पिछले कुछ सालों से अपना मेकअप खुद ही करती हूं क्योंकि मुझे पता है कि मेरे किरदार की जरूरत क्या है और मुझे खुद का मेकअप करना भी अच्छा लगता है। यह पेंटिंग की तरह है। श्वेता आगे कहती हैं, मैं ऐसा करना किसी से नहीं बल्कि अपने आप ही सीखा है। सुरक्षा का पर्याप्त ध्यान रखते हुए अभिनेता साकिब सलीम के साथ श्वेता ने दिल्ली और गुरुग्राम में फिल्म के लिए शूटिंग शुरू की है। नचिकेत सामंत फिल्म के निर्देशक हैं। कहानी विकास मेहरा की है, जबकि पटकथा लेखन का काम राघव कक्कड़ और कश्यप कपूर ने किया है।

टाइगर श्रॉफ ने अनबिलीवेबल से किया सिंगिंग डेब्यू, फैन्स हुए उनकी आवाज के मुरीद

टाइगर श्रॉफ की आवाज में गाया हुआ उनका पहला गाना अनबिलीवेबल रिलीज हो गया है। टाइगर केवल शानदार ऐक्टिंग, वर्कआउट और डांस ही नहीं करते बल्कि वह एक लाजवाब सिंगर भी हैं और इसी का सबूत उनका यह गाना दे रहा है। इस गाने को फैन्स से जमकर तारीफें मिल रही हैं। बिग बैंग म्यूजिक के साथ मिलकर तैयार किए उनके इस पहले गाने अनबिलीवेबल को डायरेक्ट किया है पुनीत मल्होत्रा ने। टाइगर श्रॉफ ने इस गाने में केवल अपनी आवाज ही नहीं दी है, बल्कि वह खुद भी इसमें ऐक्ट करते नजर आ रहे हैं। टाइगर का यह गाना अनबिलीवेबल रोमांटिक है, जिसमें वह शानदार डांस करते भी दिख रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री से उनके फेंड्स भी टाइगर के इस गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वरुण धवन ने ट्वीट कर इस गाने को शेयर भी किया है। टाइगर ने इस गाने को अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। टाइगल ने इसे शेयर करते हुए लिखा है, और जब मैं सोचता था कि एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग पर कूदना मुश्किल है...मेरे लिए यह अब तक का सबसे बड़ा चैलेंज और पूरा करने वाला अनुभव रहा है। दुनिया भर के म्यूजिशन के लिए बेहद सम्मान, काफी कुछ अभी सीखना है, लेकिन तब तक के लिए पेश कर रहा हूं हमारा विनम्र प्रयास स यूआरऑनवेलिबल जो कि रिलीज़ हो चुका है।

करिश्मा कपूर ने शेयर की बचपन की ऐसी फोटो करीना बोलीं-एकदम गुंडा लग रही हो

करीना कपूर खान ने हाल ही में अपना 40वां जन्मदिन मनाया है। वह दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। करीना इस वक्त अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के शूट के लिए दिल्ली में हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर उनकी बहन करिश्मा के साथ उनकी प्यारी बातचीत दिखाई दी। करिश्मा कपूर ने करीना के बर्थडे पर एक पुरानी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। उन्होंने इसके साथ कैप्शन दिया था, हमेशा तुम्हारी रक्षा करती रहूंगी। मेरी लाइफलाइन 40वां जन्मदिन मुबारक हो। करीना ने उनके इस पोस्ट पर कॉमेंट किया है, ओह माई गॉड... तुम बिल्कुल गुंडा लग रही हो... जो कि तुम हो नहीं। इस पर करिश्मा ने लाफ्टर इमोजी बनाए हैं। प्रफेशनल फ्रंट पर बात करें तो करीना आमिर खान के साथ अगली फिल्म की शूट के लिए दिल्ली निकल गई हैं। उनके साथ तैमूर और सैफ अली खान भी हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान बेबो काफी ऐक्टिव हैं। काम, शूटिंग और आउटिंग से जुड़ी उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं।

इंडस्ट्री के नियम सही नहीं हैं : अनंग्शा विश्वास

अभिनेत्री अनंग्शा विश्वास का कहना है कि उन्हें इस बात का एहसास हुआ है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कायदे-कानून उचित नहीं हैं और खुद को वह गर्व के साथ आउटसाइडर कहती हैं। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद और इंसाइडर व आउटसाइडर को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।
अनंग्शा कहती हैं, मैं एक थिएटर एक्टर हूं और मैंने सिडनी से अभिनय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। शुरुआत में, मैंने सोचा था कि मैं काम को अच्छे से सीख खुद को साबित करूंगी और करियर में आगे बढ़ूंगी। हालांकि, जल्द ही मैंने महसूस किया कि इस इंडस्ट्री के नियम अनुचित हैं।
वह आगे कहती हैं, आप कितनी ही मेहनत क्यों न कर लें, इसका तब तक कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक कि आप यहां किसी को जानते नहीं हैं और दुभार्ग्यवश मैं किसी को नहीं जानती थी। अनंग्शा चाहती हैं कि इंडस्ट्री में नियम सभी के लिए एक समान हो। वह कहती हैं, मैं एक आउटसाइडर हूं और मुझे इस बात का गर्व है। मैंने कभी नहीं चाहा कि चीजें मेरे लिए आसान हो, लेकिन हां, मैं चाहती हूं कि ये उचित हो। मैं भी अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम देने की काबिलियत रखती हूं।

एकता कपूर लॉकडाउन के समय भी रहीं काम में व्यस्त

कोरोना महामारी के कारण मनोरंजन उद्योग कुछ महीनों से ठप पड़ा था, लेकिन कंटेंट चेन एकता कपूर लॉकडाउन के समय भी कई परियोजनाओं पर काम करने में व्यस्त थीं। उपभोक्ताओं की पसंद के बारे में अच्छी समझ रखने वाली एकता ने इस दौरान भी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर एक फिल्म और एक वेब शो रिलीज किया है। एकता लॉकडाउन के तुरंत बाद सभी आवश्यक मानदंडों और सावधानियों के साथ लाइट, कैमरा, एक्शन के लिए तैयार थीं। कंटेंट क्रिएटर ने हाल ही में अपने बहुप्रतीक्षित वेब शो ब्रोकन बट ब्यूटीफुल का ट्रेलर रिलीज किया है, जिसने सभी प्रशंसकों को अधिक प्रत्याशित कर दिया है। वहीं, पिछले शुक्रवार को, उन्होंने एक अन्य सुपरहिट शो दिल ही तो है का तीसरा सीजन और फिल्म डॉली किटी और वो चमके सितारे को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया है। उद्योग के करीबी सूत्रों ने साझा किया, एकता लगातार दर्शकों को पसंद आने वाले नए कंटेंट को तलाशने में व्यस्त है। वह सभी प्लेटफार्म पर, विशेष रूप से ओटीटी पर छाई हुई हैं और सभी फॉरमेट में अपना कंटेंट रिलीज कर रही हैं, इतना ही नहीं, इस लॉकडाउन में सीमित संसाधनों के साथ भी फिल्में या शो सहित मनोरंजन कर रही हैं। एक तरफ जहां निर्माता प्रोजेक्ट्स के लिए संघर्ष कर रहे हैं, एकता कपूर परियोजनाओं और ताजा कंटेंट के साथ धूम मचा रही हैं। कंटेंट कंजम्पशन में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए, एकता ने दर्शकों की पसंद को बखूबी परख लिया है और उन्हें कस्टम मेड कंटेंट दे रही हैं।

शिल्पा शेट्टी ने बेटी समिशा के साथ कुछ यूं मनाया पहला विश्व बेटी दिवस हफ्तेभर से कर रही थीं तैयारियां

इस साल शिल्पा शेट्टी के लिए डॉटर्स डे काफी खास है। वैसे तो यह दिन 27 सितंबर को मनाया जाता है लेकिन शिल्पा ने इस दिन को 1 हफ्ते मनाया और वह कई दिनों से इस बारे में पोस्ट कर रही हैं। आज के दिन उन्होंने अपनी बेटी समिशा के साथ प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की और मेसेज लिखा। शिल्पा ने बेटी के लिए लिखा प्यारा मेसेज शिल्पा ने अपनी बेटी समिशा को गोद में उठाकर तस्वीर पोस्ट की है। इसके साथ मेसेज लिखा है, कौन कहता है चमत्कार नहीं होते... एक मैं अपने हाथों में पकड़े हूं। जीवन एक चमत्कार ही तो है... है ना? यह खुशी है कि आज मैं हमारी समिशा को हाथों में लेकर डॉटर्स डे पर सेलिब्रेट कर रही हूं। मुझे ये सेलिब्रेट करने के लिए बिल्कुल भी किसी खास दिन की जरूरत नहीं है। ईश्वर और ब्रह्मांड को जितना धन्यवाद कहूं कम है कि उन्होंने मेरी प्रार्थनाओं को सुना और इतने खूबसूरत तरीके से साकार किया. खासकर विआन की, हमेशा आभारी रहूंगी। आज अपनी बेटियों को कसकर गले लगाना ना भूलें। बेटा विआन पूरे हफ्ते चाहता था सेलिब्रेशन शिल्पा ने इससे पहले एक वीडियो शेयर किया था।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।